महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 261

उज्जैन, सोमवार 02 मार्च 2026

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

व्यक्ति को कभी भी मौके का इंतजार नहीं करना चाहिए, क्योंकि जो आज है वो ही सबसे बड़ा मौका है

प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सौहार्द सर्वोपरि : मुख्यमंत्री

गैर विवादित स्थल पर ही हो होलिका दहन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि त्यौहार सामाजिक सद्भाव का प्रतीक हैं। प्रदेश के सभी नागरिक आपसी सौहार्द और प्रेम पूर्वक त्यौहार मनाएं, इसके लिए मैदानी पुलिस अधिकारी और अमले को अतिरिक्त सजगता, सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभानी होगी, ताकि कहीं भी, किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि त्यौहारों के चलते विशेष निगरानी और ऐहतियात बरती जाए। पुलिस सूचना-तंत्र को और भी अधिक सक्रिय किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें, जिससे किसी भी नागरिक को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी सभी त्यौहारों से पहले प्रदेश में शांति और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए रविवार को पुलिस कमिश्नर ऑफिस, भोपाल से प्रदेश की कानून-व्यवस्था की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से विस्तृत समीक्षा की। इस उच्च स्तरीय बैठक में अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, डीजीपी श्री कैलाश मकवाना, एडीजी इंटेलीजेंस श्री ए. साईं मनोहर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश के सभी रेंज आईजी, डीआईजी, पुलिस कमिश्नर्स और पुलिस अधीक्षकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़कर अपने-अपने क्षेत्रों की व्यवस्थाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्राधिकार में कानून-व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखें और इस संबंध में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नागरिक बिना किसी बाधा के अपने-अपने पर्व आनंदपूर्वक मनाएं। शासन-प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ उनकी सुरक्षा में तत्पर होकर तैनात है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्योहारों के समय बेहद सतर्क रहें। हर घटना-दुर्घटना पर बारीक नजर बनाएं रखें। जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम करें। समाज के अच्छे और प्रभावशाली लोगों को शांति समिति में लेकर आए। उन्होंने कहा कि सभी एसपी अपने पुलिस कंट्रोल रूम और मॉनिटरिंग सिस्टम को और भी अधिक बेहतर बनाएं। हर हाल में सुव्यवस्था बनी रहे, यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी दिनों में वे प्रदेश के पुलिस थानों और कार्यालयों का औचक निरीक्षण करेंगे। पुलिस थानों के कार्य-व्यवहार और पब्लिक फीडबैक के आधार पर उनकी ग्रेडिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षकों को अतिरिक्त सजगता और सतर्कता बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था के संबंध में जो भी कार्रवाई हो, वह पूरी तरह से पारदर्शी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में परीक्षाएं चल रही हैं। इसलिए सभी परीक्षा केन्द्रों और हॉस्टल्स पर निगरानी रखें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस विभाग को प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सब पुलिस की समर्पित कार्यवाही और निष्ठा से ही संभव हो सका है। उन्होंने कहा की पुलिस अधिकारी सुनिश्चितकरें कि होलिका दहन गैर विवादित स्थलों पर ही हो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि त्योहारों के चलते अधिक संख्या में यात्रियों के आवागमन के कारण बस ऑपरेटर्स द्वारा यात्रियों से अधिक किराया वसूल करने की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसी स्थिति पर रोक लगाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्यौहारों के दौरान विशेष संवेदनशीलता का परिचय दिया जाना चाहिए। किसी भी जगह किसी भी प्रकार की घटना या दुर्घटना पर पुलिस का क्विक रिस्पांस होना चाहिए। छोटी से छोटी घटना को संज्ञान में लें। शुष्क दिवस के प्रावधान का पूरी कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाये। सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में व्यवस्थाओं में और अधिक कसावट लायें।

न्यूज ब्रीफ

उम्मीद है पीएम मोदी इजरायल-ईरान की जंग रोकने में निभाएंगे भूमिकाः ओवैसी

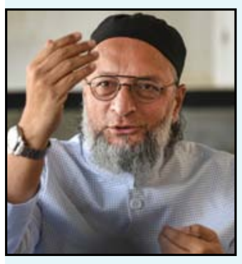

नई दिल्ली/ जीएनएस। ईरान पर अमेरिकी-इजरायल के जॉइंट मिलिट्री हमलों की निंदा करते हुए एआईएमआईएम प्रेसिडेंट असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को उम्मीद जताई कि पीएम मोदी और केंद्र सरकार इस जंग को रोकने में भूमिका निभाएंगे। हैदराबाद के सांसद ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयोतल्लाह अली खामेनेई की हत्या को गलत और गैर-कानूनी काम बताया। खामेनेई की मौत इजरायल और अमेरिका के एक बड़े हमले में हुई थी। उन्होंने कहा कि इलाके में अस्थिरता को रोकने के लिए ईरान पर हमले तुरंत बंद होने चाहिए, उन्होंने कहा कि इस इलाके में 10 मिलियन भारतीय काम करते हैं। रिपोर्टर्स से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस जंग को रोकने में भूमिका निभाएंगे। जंग खत्म होनी चाहिए। इसे आगे बढ़ाने की उनकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि अगर यह फैला, तो बहुत बड़ी उथल-पुथल, अनिश्चितता और अस्थिरता होगी। एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू ने रमजान के पवित्र महीने में मिलकर ईरान पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि हम ईरान पर हमले की निंदा करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि खामेनेई जैसे सम्मानित व्यक्ति को निशाना बनाना बेकार नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, वह (खामेनेई) शिया समुदाय के एक सम्मानित नेता हैं और अगर आप उन्हें निशाना बनाते हैं, तो ईरानी चुप नहीं रहेंगे। जिनेवा में ईरान-अमेरिका बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत में सफलता मिलने के बावजूद हमला हुआ। ओवैसी ने कहा, तो, जब बातचीत में सफलता मिली, तो अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया और एक 86 साल के आदमी (खामेनेई) को मार डाला। उन्होंने इसे ईरान के लोगों पर कायरतापूर्ण, अमानवीय और अनैतिक हमला बताया और कहा, ...स्कूली बच्चे मारे गए हैं।

अब राष्ट्रीय राजनीति में दखल बढ़ाएंगे केजरीवाल...

नई दिल्ली/ जीएनएस। आप की जंतर मंतर पर रविवार को आयोजित रैली में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सहित आप के कई नेताओं ने इस बात के संकेत दिए कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल अब देश की राष्ट्रीय स्तर की राजनीति में दखल बढ़ाएंगे। आप का मानना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टक्कर देने के लिए अरविंद केजरीवाल ही सबसे उपयुक्त नेता हैं। आबकारी घोटाले मामले में महीनों तक जेल में रहने के बाद फरवरी 2025 में दिल्ली की सत्ता हाथ से चली जाने के बाद आप कार्यकर्ताओं में ही नहीं आप के वरिष्ठ नेताओं तक का मनोबल जिस तरह गिर गया था, शुक्रवार को इसी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट से अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया आदि को राहत मिलने पर इन नेताओं और कार्यकर्ताओं में मनोबल फिर से लौटता दिख रहा है। आप के रणनीतिकार केजरीवाल को दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा तक ही सीमित नहीं रखना चाहते हैं और इसी के तहत अब राजनीतिक माहौल तैयार करने के लिए योजना बनाने जा रहे हैं। आप के वरिष्ठ नेता सिसोदिया ने रविवार को जंतर मंतर पर जिस तरह से केजरीवाल को भविष्य में देश की सत्ता में बैठाने को देशभक्ति कार्य बताया है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल में सभी विशेषज्ञाएं भी बताई हैं जो एक प्रधानमंत्री में होनी चाहिए। उन्होंने केजरीवाल को उपयुक्त प्रधानमंत्री बता कर यह साफ कर दिया है कि आप के मन में अब क्या चल रहा है।

अनुमति लेकर ही अब परीक्षा केंद्रों पर कर पाएंगे जैमर का इस्तेमाल, सरकार ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली/ जीएनएस। परीक्षाओं के दौरान नकल या दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जैमर को लेकर केंद्र सरकार ने एक नई गाइडलाइन जारी की है। जिसमें जिसमें परीक्षा कराने वाले संस्थान अब बगैर अनुमति के इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। साथ ही उन्हें लो-फ्रिक्वेंसी के जैमर का ही इस्तेमाल करना होगा। ताकि इसका प्रभाव परीक्षा केंद्र के बाहर रहने वाले लोगों व आबादी पर न पड़े।

वहीं किन परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए जानें है, इसका पूरा ब्यौरा भी पहले ही देना होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश भर के सभी विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ नई जैमर गाइडलाइन को साझा करते हुए सख्ती से इसे मानने के निर्देश दिए है। इस गाइडलाइन को हाल ही में केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिवालय के सचिव (सुरक्षा) ने जारी किया है।

लगातार बढ़ रही परीक्षा केंद्रों की संख्या- यूजीसी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, इस गाइडलाइन तब तैयार किया गया है, जब देश भर में परीक्षा केंद्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में परीक्षाओं के आयोजन से जुड़ी एजेंसियों इसका धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रही है। नई गाइडलाइन के तहत परीक्षाओं से जुड़ी सभी एजेंसियों को अब जैमर के इस्तेमाल की अनुमति लेनी होगी।

साथ ही अपने परीक्षाओं का कार्यक्रम पहले से ही केंद्रीय सचिवालय के सचिव (सुरक्षा) के साथ साझा करना होगा। वहीं सभी परीक्षा एजेंसियों को जैमर के इस्तेमाल से जुड़ी अनुमति व उसके नियमों का पालन करने के लिए एक नोडल अधिकारी तैनात करना होगा।

बिहार राज्यसभा चुनावः एक सीट के लिए RJD खटखटाएगा हर दरवाजा

नई दिल्ली/ जीएनएस। राज्यसभा में रिक्त हो रही अपनी दो सीटों में से राजद एक सीट किसी भी तरह वापस पाना चाहता है। उसके लिए पार्टी हर संभव उपाय करेगी

राजनीति को छल-बल से कभी गुरेज रहा भी नहीं। ऐसे में राजद का प्रत्याशी भी दमदार होगा, जो एनडीए का मुकाबला हर स्तर पर बढ़-चढ़कर कर सके।

रविवार को हुई पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक में इन सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। जीत के गणित में कमजोर होने के बावजूद एक सीट पर मुकाबले के लिए अंतिम सहमति बनी।

तय हुआ कि प्रत्याशी उसे ही बनाया जाए, जो संसदीय राजनीति में दक्षता के साथ आर्थिक चुनौतियों का भी सहजता से सामना कर सके। अंततः प्रत्याशी चयन के लिए सुप्रीमो लालू प्रसाद और कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव को अधिकृत कर दिया गया।

दिल्ली में मार्च का पहला दिन ही 30.7 डिग्री पार, तीन सालों में सबसे गर्म; वीकेंड पर 35 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा

नई दिल्ली/ जीएनएस। रविवार को दिल्ली में मार्च माह की शुरुआत भी खासी गर्म रही। माह के पहले ही दिन तापमान 30 डिग्री पार चला गया। जबकि पिछले दो सालों (2023 के बाद) के दौरान यह 30 डिग्री से नीचे रहा था। 2023 में मार्च के पहले दिन 31 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ था। रविवार को सुबह भी गर्म रही। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी एवं तापमान दोनों में लगातार वृद्धि होगी।

साफ आसमान और दिन भर खिली रही तेज धूप के बीच रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 4.6 डिग्री अधिक 30.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। पिछले सालों पर नजर दौड़ाएं तो 2025 में एक मार्च को अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री जबकि 2024 में 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। वहीं रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 89 से 32 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को दिन भर आसमान साफ रहेगा। तेज धूप निकली रहेगी। 15 से 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं भी चलेंगी। अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 31 और 15 डिग्री रह सकता है। वहीं, इस पूरे सप्ताह ही गर्मी और तापमान में वृद्धि के संकेत हैं। सप्ताहांत तक तापमान क्रमशः 35 और 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

ऑन द जॉब ट्रेनिंग में इंडस्ट्री मेंटर करेंगे मूल्यांकन, ITI प्रशिक्षुओं को कुशल बनाने की दिशा में सरकार ने उठाया कदम

नई दिल्ली/ जीएनएस। घरेलू उद्योग के लिए विभिन्न व्यवसायों में कुशल कामगारों की आपूर्ति के उद्देश्य से ही 1950 से देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में क्राफ्टमैन ट्रेनिंग स्कीम (सीटीएस) चलाई जा रही है। इसके बावजूद उद्योगों की निरंतर का शिकायत रही कि उन्हें आवश्यकता के अनुरूप कामगार नहीं मिल पा रहे।

बीते कुछ समय से उद्योगों में व्यावहारिक औद्योगिक प्रशिक्षण दिलाने के प्रयास तो हुए, लेकिन ठोस रूपरेखा न होने के कारण अपेक्षित परिणाम भी नहीं मिले। इसी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 आने के बाद आईटीआई में वर्ष 2022-23 के सत्र से आन द जाब ट्रेनिंग यानी काम के साथ प्रशिक्षण की व्यवस्था को तो शुरू किया गया, लेकिन यह पूरी तरह लागू नहीं हो सका। ऐसे में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने अब संस्थान में दिए जाने वाले प्रशिक्षण की अवधि को 1600 से घटाकर 1200 घंटे करने के साथ ही 150 घंटे की अनिवार्य आन द जाब ट्रेनिंग या ग्रुप प्रोजेक्ट वर्क के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं, जिसमें मूल्यांकन का अधिकार इंडस्ट्री मेंटर को भी दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज तमिलनाडु के मदुरै में 4,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और आधारशिला रखी। मदुरै की पावन धरती पर जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन तमिलनाडु की विकास यात्रा में एक गौरवशाली अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य राज्य में कनेक्टिविटी का कायाकल्प करना, अर्थव्यवस्था को गति देना और युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर पैदा करते हुए लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। हाई-क्वालिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण मूल रूप से लोगों को सशक्त बनाने का माध्यम है। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि, इन विकास कार्यों का अर्थ है–किसानों के लिए बाजारों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़कें, तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए सुगम यात्रा और व्यवसायों के लिए तेज परिवहन की सुविधा।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले बारह वर्षों में, भारत सरकार ने तमिलनाडु के राजमार्ग नेटवर्क में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिसके तहत 2014 से अब तक चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबे राजमार्गों का निर्माण किया गया है। उन्होंने दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के शिलान्यास का उल्लेख किया– पहला, मरक्कनम-पुडुचेरी सेक्शन को चार-लेन का बनाने का कार्य करना, जिसमें तटीय पर्यटन और व्यापार को मजबूती देने के लिए 2,100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है और दूसरा, परमकुडी-रामनाथपुरम स्ट्रेच को चार-लेन का बनाने का कार्य। 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस दूसरी परियोजना से रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे स्थलों तक पहुंच काफी आसान हो जाएगी, जिससे तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा सुगम होगी और कृषि उपज व समुद्री उत्पादों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले एक दशक में, भारतीय रेलवे ने एक ऐतिहासिक बदलाव देखा है और यह एक आधुनिक, कुशल और जन-केंद्रित परिवहन प्रणाली के रूप में उभरकर सामने आया है। श्री मोदी ने कहा, यह बदलाव विशेष रूप से तमिलनाडु में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहाँ वर्तमान सरकार के कार्यभार संभालने के बाद से रेलवे बजट आवंटन में लगभग नौ गुना की वृद्धि हुई है।

गधे पर बैठकर निकलते हैं लाट साहब, बरसते हैं जूते-चप्पल

नई दिल्ली/ जीएनएस। देशभर में होली अलग-अलग अंदाज में खेली जाती है। फूलों से तो कहीं लट्ठमार होली प्रसिद्ध है। शाहजहांपुर की जूते मार होली अपनी अलग ही पहचान रखती है। जिले में जुलूस निकालने की कई तरह की परंपराएं है। चौक कोतवाली व रामचंद्र मिशन क्षेत्र से जहां भैंसा गाड़ी पर लाट साहब को बैठाकर जुलूस निकाला जाता है। रंगों की बौछार के साथ ही लोग जूते चप्पले मारते हुए इस जुलूस में चलते हैं।

दरअसल ब्रिटिश शासनकाल में अत्याचार के विरोध में शुरू की इस परंपरा में अंग्रेजों के प्रतीक लाट साहब के रूप में व्यक्ति को भैंसागाड़ी पर बैठाया जाता है। उसके बाद रंगों की बौछार के बीच जूते-चप्पल व झाड़ू मारते हुए जुलूस के रूप में पूरे शहर में घुमाया जाता है।

अनोखे अंदाज के कारण यह जुलूस पूरे देश में चर्चित है। वहीं शहर के अब्दुल्लागंज, पुवायां के बड़ागांव, खुदागंज समेत कई जगह गधे पर बैठकर लाट साहब प्रमुख मार्गों पर घूमते हैं। जिसमे बड़ी संख्या में लोग रंग-गुलाल खेलते हुए चलते हैं।

अब्दुल्लागंज मुहल्ले में एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर गधे पर बैठाकर जुलूस निकाला जाता है। यह जुलूस तीन किमी के दायरे में निकला है। दो से तीन हजार के करीब भीड़ भी रहती है, जबकि सदर क्षेत्र के बहादुरगंज में पिकअप पर सवार होकर लाट साहब पांच किमी तक घूमते हैं। इस जुलूस के साथ चार ढोल व चार नगाड़े वाले भी रहते हैं।

झांकी के स्वरूप में जुलूस- चौक कोतवाली क्षेत्र के बाबूजई मुहल्ले में देव स्वरूप में तीन झांकी बनाकर जुलूस निकाला जाता है। जिसमे भगवान राम व शंकर आदि के स्वरूप में झांकी सजाई जाती है। साढ़े चार किमी तक निकलने वाले इस जुलूस में 500 से अधिक भीड़ शामिल होती है।

ट्रैक्टर-ट्राली पर लाट साहब- सदर क्षेत्र के खिरनीबाग मुहल्ले से ट्रैक्टर-ट्रालियों से जुलूस निकाला जाता है।एक ट्रैक्टर-ट्राली पर खुद लाट साहब को बैठाया जाता है। जबकि दूसरी ट्राली पर रंग से भरा ड्रम रखा जाता है। तीन ढोल व तीन नगाड़े भी इस जुलूस में होते हैं। 2.6 किमी तक यह जुलूस जाता है, जिसमे करीब एक हजार तक भीड़ रहती है।

बग्गियों के साथ जुलूस- सदर क्षेत्र के मुहल्ला हाथीथान से निकाले जाने वाले जुलूस में बग्गियां भी चलती है।दो ट्रैक्टर-ट्राली से रंग, साउंड सिस्टम भी रहता है। करीब दो किमी तक यह जुलूस जाता है, जिसमे भीड़ एक हजार तक रहती है।

जूते की माला पहनते हैं लाट साहब- खुदागंज में होली के पांचवें दिन रंग खेलने की परंपरा है। वहां लाट साहब का जुलूस गधे पर बैठाकर निकाला जाता है। यहां एक व्यक्ति को लाटसाहब का तमगा देकर गधे पर बैठाया जाता है। गले में जूतों की माला व सिर पर हेल्मेट पहना दिया जाता।

त्योहारों को लेकर इंदौर पुलिस अलर्ट, शांति और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी होली, धुलेंडी, रंगपंचमी और रमजान माह को देखते हुए शहर में कानून व्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने पलासिया स्थित कार्यालय के सभागार में पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित सभी डीसीपी, एडीशनल डीसीपी, एसीपी एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहरवासी शांतिपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ त्योहार मनाएं, इसके लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। आगामी त्योहारों के दौरान पूरे शहर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा, जो आधुनिक संसाधनों से लैस होकर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखेगा। चारों जोन में ड्रोन कंट्रोल यूनिट स्थापित कर ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जाएगी। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बलवा ड्रिल सामग्री और आवश्यक उपकरणों के साथ पुलिस तैयार रहेगी।

होलिका दहन केवल परंपरागत और गैर-विवादित स्थलों पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही यातायात अवरुद्ध न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। होली और धुलेंडी के दौरान होटल, गार्डन और रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रमों की विधिवत अनुमति और नियमों के पालन की सख्ती से जांच की जाएगी। आयोजकों को सीसीटीवी, पार्किंग व्यवस्था, वॉलंटियर्स की नियुक्ति और प्रतिभागियों की पहचान जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। डीजे संचालन निर्धारित समय और ध्वनि सीमा के अनुरूप ही करने की चेतावनी दी गई है, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

त्योहारों के दौरान शराब और नशे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा तथा नशा कर उत्पात मचाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खतरनाक और हानिकारक रंगों की बिक्री और उपयोग पर निगरानी रखी जाएगी। सभी प्रमुख कार्यक्रम स्थलों और मार्गों की वीडियोग्राफी की व्यवस्था की जाएगी। संवेदनशील और धार्मिक स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाएगी ताकि किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत न हों।

सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को शांति समिति की बैठकें आयोजित कर गणमान्य नागरिकों और आयोजकों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व विवादों की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और संदेशों पर भी लगातार निगरानी रखी जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ड्यूटी के दौरान आम नागरिकों और आयोजकों के साथ संयमित एवं सकारात्मक व्यवहार रखें। साथ ही नगर निगम, विद्युत और चिकित्सा विभाग सहित अन्य आवश्यक सेवाओं के साथ समन्वय बनाकर त्योहारों के दौरान सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे ताकि सभी नागरिक सुरक्षित और आनंदपूर्ण वातावरण में त्योहार मना सकें।

होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी सार्वजनिक अवकाश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट-1881 के अधीन सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व पर पूर्व में 3 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है।

ईरान-इस्राइल जंग के बीच दुबई में थमा हवाई यातायात, इंदौर के पूर्व विधायक और कारोबारी फंसे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ईरान और इस्राइल के बीच शनिवार से शुरू हुए सैन्य संघर्ष का असर अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर दिखने लगा है। खाड़ी देशों में बढ़ते तनाव के कारण कई उड़ानें निरस्त कर दी गई हैं, जिससे दुबई का हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस स्थिति के बीच इंदौर के दो पूर्व विधायकों सहित शहर के कई प्रतिष्ठित व्यापारियों और बिल्डरों के वहां फंसने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा है कि वे सुरक्षित हैं और उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही वापस इंदौर आ जाएंगे।

शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे इंदौर के ये नागरिक- इंदौर के पूर्व विधायक संजय शुक्ला और पूर्व विधायक विशाल पटेल वर्तमान में दुबई में मौजूद हैं। उनके साथ प्रवीण कक्कड़, पिंटू छाबड़ा, मनीष शाहरा, गोलू पाटनी और संजय अग्रवाल जैसे बड़े नाम भी वहां गए हुए हैं। जानकारी के अनुसार, यह सभी इंदौर से एक वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए दुबई की यात्रा पर थे। युद्ध जैसी स्थितियों के कारण विमानों की आवाजाही पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि दुबई में वर्तमान में हालात सामान्य हैं और सुरक्षा को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ उड़ानें रद्द हुई हैं, लेकिन उनकी वापसी शारजाह से होनी है। फिलहाल शारजाह हवाई अड्डे से उनकी फ्लाइट के निरस्त होने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है।

रविवार को स्पष्ट होगी स्थिति- संजय शुक्ला के मुताबिक, वे और उनके साथी पूरी तरह सुरक्षित हैं और शादी के कार्यक्रमों में ही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि रविवार को शारजाह से उनकी निर्धारित फ्लाइट समय पर उड़ान भरेगी और वे इंदौर लौट सकेंगे। हालांकि, क्षेत्र में जिस तरह से लगातार उड़ानें रद्द हो रही हैं, उससे समय पर वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। वास्तविक स्थिति रविवार को ही स्पष्ट हो पाएगी।

परिजन बोले लगातार आ रहे फोन, हमें चिंता- अमर उजाला से बातचीत में रिया छाबड़ा ने बताया कि लगातार फोन आ रहे हैं और हमें भी चिंता हो रही है। रिया के पिता पिंटू छाबड़ा भी दुबई में ही हैं। रिया ने कहा कि वे एक शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वहां पर गए थे लेकिन अभी वहां फंस गए हैं। हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही इंदौर आ जाएंगे। रिया ने कहा कि वहां पर सभी पूरी तरह से सुरक्षित हैं लेकिन चिंता होना लाजमी है।

पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाई जाएगी होली, इंदौर में गौकाष्ठ आधारित होगा होलिका दहन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ इस वर्ष होली का पर्व मनाने के लिए राज्य शासन द्वारा विशेष पहल की गई है। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि नागरिकों को पर्यावरण हितैषी होलिका दहन के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि परंपरा के साथ प्रकृति का भी संरक्षण हो सके। उन्होंने कहा कि जनसहयोग और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से यह प्रयास किया जाएगा कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपलों और गौकाष्ठ का उपयोग किया जाए। इससे पेड़ों की कटाई पर रोक लगेगी और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे पानी की बचत करते हुए प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से स्वच्छ और स्वस्थ होली मनाएं। शासन के निर्देशानुसार इंदौर शहर में जो भी संस्था होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपलों और गौकाष्ठ का उपयोग करेगी, उसका संबंधित जोनल कार्यालय में निशुल्क पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी, पदाधिकारियों के संपर्क नंबर और होलिका दहन स्थल का विवरण लिया जाएगा। महापौर ने बताया कि आगामी दिनों में आयोजित सम्मान समारोह में ऐसी सभी संस्थाओं और उनके पदाधिकारियों को माननीय मुख्यमंत्री की ओर से तैयार पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। यह पहल न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएगी, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देगी। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन के निर्देशानुसार गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन और स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निगम स्तर पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण की जाएं, ताकि इंदौर शहर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बार फिर उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

इंदौर में दो सहेलियों के साथ होटल में रुका था प्रॉपर्टी ब्रोकर, बाहर खड़ी कार का कांच फोड़कर बदमाश ले गए लाखों रुपये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दो महिला मित्रों के साथ होटल में रुके प्रापर्टी ब्रोकर से धोखा हो गया। बदमाश कार का कांच फोड़कर लाखों रुपये चुरा कर ले गए। खजराना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एक युवक को हिरासत में लिया है। उसके मोबाइल की कॉल डिटेल में होटल में रुकी महिला के नंबर मिले हैं। इससे महिला पर भी शक गहरा रहा है। फिलहाल पुलिस रुपयों की बरामदगी में जुटी है। घटना राधिका पैलेस स्थित होटल दर्शनी की 24 फरवरी की है। सुविधा नगर निवासी विशाल गुप्ता ने शुक्रवार को चोरी की रिपोर्ट लिखवाई है। विशाल प्रापर्टी खरीदने-बेचने वाला बता रहा है। उसने पुलिस को दिए कथनों में बताया कि रात करीब 12.30 बजे महिला मित्रों के साथ होटल में रुका था। उसने कार (एमपी 09जेडडब्ल्यू 8401) होटल के बाहर खड़ी कर दी थी। कार के डैशबोर्ड में लाखों रुपये रखे थे विशाल ने पुलिस को बताया कि सुबह करीब 8.30 बजे उठा तो बाईं तरफ का शीशा टूटा हुआ था। होटलकर्मी राहुल ने उसको घटना की जानकारी दी।

आरडीएसएस, एसएसटीडी के कार्यों का समय पर उपभोक्ताओं को लाभ मिले: ऊर्जामंत्री श्री तोमर

प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदौर में ली मिटिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं के लिए विद्युत कंपनी की टीम गंभीरता से कार्य करे। आरडीएसएस, एसएसटीडी के नए कार्यों का समय पर उपभोक्ताओं को लाभ मिले, ताकि उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो। उपभोक्ता सुविधाओं से संबंधित कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ये बातें कही। रविवार दोपहर पोलोग्राउंड इंदौर स्थित पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक कार्यालय में आयोजित मिटिंग में उन्होंने कहा कि आरडीएसएस के अंतर्गत किसान हो, घरेलू हो, गैर घरेलू हो या औद्योगिक श्रेणी का उपभोक्ताओं के लिए नए कार्य हो रहे हैं, ये कार्य गुणवत्ता से हो, समय से पूर्ण किए जाए, ताकि परियोजना का उद्देश्य समय पर सफल हो। श्री तोमर ने कहा कि आरडीएसएस अंतर्गत जो ऐजेंसियों लापरवाही कर रही है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाए, अच्छा कार्य करने वाले एजेंसी को नियमानुसार अतिरिक्त कार्य दिया जा सकता है। श्री सिंह ने केपेसिटर बैंक की स्थापना के बाद उनका गुणवत्ता परीक्षण एवं उनसे हो रहे फायदे की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएबीएल, एलटीएमटी लेब का सतत पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। कंपनी के प्रबंध निदेश श्री अनूप कुमार सिंह ने कहा कि आरडीएसएस अंतर्गत 97 में से 87 ग्रिड का कार्य पूर्ण होकर बिजली आपूर्ति हो गई हैं, वहीं सात हजार सात सौ ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके है। एलटी केबल कार्य, अंडर ग्राउंड केबल, ग्रिड रिनोवेशन व अन्य कार्य सतत पूर्ण होते जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता श्री एसएस करवाड़िया, श्रीमती सुषमा वैश्य, श्री आरसी जैन, श्री एससी वर्मा, श्री निर्मल शर्मा, शहर अधीक्षण यंत्री श्री डीके गाठे, इंदौर ग्रामीण अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

नशे में यात्रियों की जान जोखिम में डालने पर विजयनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बिना परमिट बस जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून व्यवस्था और यातायात नियमों के उल्लंघन पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत विजयनगर पुलिस ने देर रात सख्त कार्रवाई करते हुए नशे में बस चला रहे चालक को गिरफ्तार कर बिना वैध परमिट संचालित यात्री बस को जब्त कर लिया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार की गई।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री अमित कुमार सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन- 02 श्री कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री अमरेन्द्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर श्री पराग सैनी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल के नेतृत्व में विशेष सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान रात लगभग 1 बजे रसूमा चौराहा की ओर से आ रही यात्री बस क्रमांक MP09FA6155 को तेज और लापरवाही से चलाते हुए पाया गया, जिसे तत्काल रोककर जांच की गई।

जांच के दौरान चालक राधेश्याम पिता नगजीराम माली, उम्र 45 वर्ष, निवासी जिला देवास का ब्रेथ एनालाइजर से परीक्षण किया गया, जिसमें 78.9 mg/100 ml अल्कोहल की मात्रा पाई गई, जो निर्धारित सीमा से काफी अधिक है। बस में यात्री सवार थे और इस हालत में वाहन संचालन से उनके जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था।

वाहन के दस्तावेजों की जांच में बस का वैध परमिट नहीं पाया गया। पूछताछ में यह सामने आया कि वाहन स्वामी द्वारा जानबूझकर बिना वैध परमिट बस का संचालन कराया जा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए चालक एवं वाहन स्वामी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 281 तथा मोटर व्हीकल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर बस को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नशे में वाहन चलाना और यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए बुजुर्ग दंपती, गंवा दिए 1.15 करोड़ रुपये

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के बजरंग नगर क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने एक बुजुर्ग दंपती को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर सवा करोड़ रुपये के करीब की ठगी को अंजाम दिया है। हीरानगर थाना पुलिस ने इस मामले में अज्ञात जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पीड़ितों की पहचान 80 वर्षीय विजय सक्सेना और उनकी 77 वर्षीया पत्नी सुमन सक्सेना के रूप में हुई है।

पुणे एटीएस अधिकारी बनकर किया वीडियो कॉल- घटनाक्रम की शुरुआत 15 नवंबर 2025 को हुई जब सुमन सक्सेना के मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को पुणे एटीएस मुख्यालय का अधिकारी चंद्रभान सिंह बताया। उसने डराते हुए दावा किया कि सुमन के नाम पर जम्मू के एक निजी बैंक में खाता संचालित है जिससे 70 लाख रुपये का संदिग्ध लेनदेन हुआ है। आरोपी ने इस मामले को आतंकवाद और मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ते हुए उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की धमकी दी।

जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए लगातार वीडियो कॉल किए। उन्हें घंटों कैमरे के सामने बैठे रहने को मजबूर किया गया और कहा गया कि वे डिजिटल कस्टडी में हैं। इस दौरान उन्हें डराया गया कि यदि उन्होंने सहयोग नहीं किया तो उनकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और उनके बच्चों पर भी इसका खतरा आएगा। इसी भय के चलते आरोपियों ने उनसे व्हाट्सएप पर आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज मंगवा लिए।

एफडी तुड़वाकर दो खातों में ट्रांसफर कराए पैसे- 20 नवंबर 2025 को आरोपियों ने दंपती को बैंक जाकर अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) तोड़ने के लिए विवश किया। सुमन सक्सेना ने अपने खाते से 49.70 लाख रुपये और विजय सक्सेना ने 65.30 लाख रुपये एनईएफटी के माध्यम से आरोपियों द्वारा दिए गए दो अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। ठगों ने उन्हें हिदायत दी थी कि यदि बैंक कर्मचारी पूछताछ करें तो कहना कि यह राशि बेटियों की मदद के लिए भेजी जा रही है। इस भारी तनाव के कारण विजय सक्सेना की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

सिंगल यूज प्लास्टिक को बाय-बाय: इंदौर में 500 से अधिक महिलाओं ने साड़ी वाकेथान में लिया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में स्वच्छता के नवाचारों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूर्णतः समाप्त करने के उद्देश्य से विशेष जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। विश्व महिला दिवस के अवसर पर इसी क्रम में आज प्रातः नेहरू स्टेडियम से भव्य साड़ी वाकेथान का आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल एवं अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महापौर ने उपस्थित महिलाओं को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने और दैनिक जीवन में कपड़े के झोले को अपनाने की शपथ दिलाई। नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ हुई यह साड़ी वाकेथान डेली कॉलेज मार्ग से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंची। पूरे मार्ग में महिलाओं ने स्वच्छ इंदौर, प्लास्टिक मुक्त इंदौर और पर्यावरण संरक्षण के संदेशों के साथ जागरूकता का वातावरण निर्मित किया।

नगर निगम इंदौर एवं दी वर्ल्ड ऑफ फिटनेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में साड़ी परिधान में शामिल महिलाओं की जागरूकता यात्रा शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। सफाई मित्र बहनों की सहभागिता ने इस अभियान को और अधिक प्रेरणादायक बना दिया।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि जब वे अन्य शहरों में जाते हैं तो लोग पूछते हैं कि इंदौर लगातार स्वच्छता में शीर्ष पर कैसे बना हुआ है। इसका उत्तर जनभागीदारी, टीमवर्क और नागरिकों–विशेषकर जागरूक महिलाओं–का योगदान है। उन्होंने कहा कि इंदौर की महिलाएं अपने घरों के साथ-साथ अपनी गलियों की स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखती हैं और गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर व्यवस्थित रूप से निगम को सौंपती हैं। यही सतत प्रयास इंदौर को स्वच्छता में अग्रणी बनाए हुए हैं।

महापौर ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने घरों से निकलने वाले अनुपयोगी सामान को निगम के ट्रिपल आर सेंटर पर जमा करें और वेस्ट टू बेस्ट अभियान में सहभागी बनें। इससे कचरे में कमी आएगी और संसाधनों के पुनः उपयोग से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि विश्व महिला दिवस पर आयोजित यह साड़ी वाकेथान महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण है। जागरूक महिलाएं जब सफाई मित्र बहनों के साथ कदम से कदम मिलाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार का संदेश देती हैं, तो यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनता है।

इंदौर में आईटी प्रोफेशनल्स का प्रकट उत्सव सम्पन्न, सौ से अधिक स्वयंसेवकों ने दी प्रभावशाली प्रस्तुति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज सायंकाल स्कीम नंबर 78 में इंदौर के आईटी प्रोफेशनल्स का प्रकट उत्सव उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आईटी श्रेणी के 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने शारीरिक कार्यक्रमों की उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक शक्ति का परिचय दिया। इंदौर महानगर में पिछले कई वर्षों से आईटी क्षेत्र से जुड़े स्वयंसेवक नियमित साप्ताहिक मिलन कर रहे हैं तथा इस प्रकट कार्यक्रम की तैयारी पिछले तीन माह से निरंतर चल रही थी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक श्री मुकुल जी कानिटकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या मन का नियंत्रण है, जो अत्यंत कठिन कार्य है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग युवाओं के मनोभावों को प्रभावित कर रहा है, किंतु जब व्यक्ति स्वयं निर्णय लेकर उसका उपयोग करता है तो वह उसके नियंत्रण में रहता है और तब उसका सदुपयोग स्वयं एवं समाज के लिए सकारात्मक और सार्थक सिद्ध होता है।

उन्होंने कहा कि अभ्यास और वैराग्य के माध्यम से ही मन पर नियंत्रण संभव है। जब अभ्यास जीवन का अंग बन जाता है तो वह चरित्र निर्माण करता है। आनंद, अनुशासन और निरंतर साधना के साथ किया गया अभ्यास सहज रूप से व्यक्तित्व का विकास करता है। शाखा की पद्धति इसी सहज साधना का माध्यम है, जिसमें नियमित सहभागिता से स्वयंसेवक के मन, शरीर और बुद्धि का संतुलित विकास होता है। एक घंटे का शाखा कालखण्ड संकल्पपूर्वक पूर्ण कर भगवा ध्वज को गुरु मानकर भारत माता की सेवा का भाव जागृत होता है।

48 घंटे में चोरी का खुलासा, भाई-बहन और दोस्त ने मिलकर रची थी साजिश, 4 लाख से अधिक का माल बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना खजराना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की वारदात का 48 घंटे के भीतर खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि आरोपी युवक ने अपने दोस्त और सगी बहन के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची थी, जबकि आरोपिया महिला पुलिस को गुमराह करने की नीयत से फरियादी के साथ स्वयं थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने भी पहुंची थी।

पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार शहर में चोरी एवं नकबजनी जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खजराना थाना पुलिस ने गंभीरता से जांच करते हुए इस प्रकरण का खुलासा किया। फरियादी विशाल पिता ओमप्रकाश निवासी सुविधि नगर छोटा बांगड़दा ने 27 फरवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 24 फरवरी की रात दर्शनी होटल राधिका पैलेस के पास खड़ी उसकी कार का कांच तोड़कर स्कूटी सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने कार में रखी नकदी चोरी कर ली। रिपोर्ट पर थाना खजराना में अपराध क्रमांक 163/2026 धारा 305(बी), 324(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

एडिशनल कमिश्नर श्री अमित सिंह एवं डीसीपी जोन-02 श्री कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन में एडीशनल डीसीपी श्री अमरेन्द्र सिंह और एसीपी श्री कुंदन मंडलोई द्वारा थाना प्रभारी खजराना को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम ने आउटर कॉलोनियों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और मल्टी आवासीय परिसरों में सघन जांच की। सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और तकनीकी विश्लेषण के साथ मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपियों की पहचान की गई।

सूचना मिली कि आरोपी स्कीम नंबर 134 के स्टार चौराहे के पास खड़े हैं। तत्काल गठित विशेष टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में ध्रुव गौड़ उम्र 22 वर्ष निवासी सदर बाजार इंदौर और बबलू राजपूत उम्र 18 वर्ष निवासी रावजी बाजार इंदौर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अपने शौक पूरे करने और जल्दी पैसे कमाने के लालच में ध्रुव की बहन दिव्यांशी के कहने पर वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 लाख 15 हजार रुपये नकद, 1 लाख 35 हजार रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मोबाइल और एक एक्सेस स्कूटर जब्त किया है।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय एकता नाहर सैयद मेला शुरू, सूफियाना कव्वाली ने समां बांधा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तीन दिवसीय राष्ट्रीय एकता मेला का शनिवार की रात्रि को शुभारंभ हुआ। नपा परिषद मंदसौर के द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय मेले के शुभारंभ अवसर पर हिन्दू मुस्लिम कौमी एकता की प्रतीक हजरत नाहर सैयद की दरगाह पर चादर पेश की गयी। नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला समिति सभापति बब्बन युसूफ गौरी एवं कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने चादर पेश करने के समय मंदसौर एवं भारत की उन्नति एवं विश्व में शांति सद्भाव कायम रहे इसके लिये दुआ (प्रार्थना) की। हजरत नाहर सैयद की दरगाह परिसर में इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं उद्बोधन कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वकील उद्दीन मियाजी सरकार ने कहा कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय एकता मेला हिन्दू मुस्लिम एकता की पहचान है तथा परिषद कई वर्षो से यहाँ जो मेला लगा रही है वह सराहनीय है। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ जिला संयोजक मदनलाल राठौर ने कहा कि यह दरगाह सिद्ध स्थान है यहाँ से पूरे देश में शांति भाईचारे का संदेश देने के लिये नपा परिषद मेला लगाती है।

स्वागत उद्बोधन देते हुये नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने कहा कि निसंतान दम्पत्ति यहाँ सच्चे मन से दुआ करते है तो उनकी मुराद (मनोकामना) पूरी होती है। नाहर सैयद बाबा का उर्स जो कई सालों से हम मना रहे है वह होली के दिन होता है हिन्दू तिथि से मुस्लिम संत का उर्स मनाया जाना हमारी हिन्दू मुस्लिम भाईचारे को मजबूत बनाये रखने का संदेश देता है। हर वर्ष हम तीन दिवसीय मेला में देश के ख्यातिप्राप्त कव्वालों को बुला रहे है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में इलियास बाबा (गुमनामी), भाजपा नेता हाजी गुलाम नबी शेख, शाकीर हुसैन गढ़वी मुबारिक उस्ताद, अय्युब निलगर, खलील निलगर, हाजी महमूद दिपालिया, अफजल शाह, राजाराम तंवर, फिरोज मेव अचेरी भी मंचासीन थे। इन सभी का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर, मेला सभापति बब्बन गौरी, मेला समिति सदस्य आशीष गौड़, खेरून बी पटेल, मंजू मालवीय, रफत पयामी, भाजपा नेता शेहजाद पटेल, युसूफ गौरी, राजेश गुर्जर, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे, मेला लिपिक राजेंद्र नीमा ने पुष्पहार पहनाकर किया। मेला शुभारंभ के बाद मुकर्रम वारसी भोपाल एवं परवेज आसिफ मंदसौर ने सूफियाना कव्वाली पेश की जिसे सभी ने सराहा। संचालन धर्मेन्द्र सोनगरा ने किया।

आज महफिल कव्वाली का कार्यक्रम होगा- आज दिनांक 2 मार्च सोमवार की रात्रि 9 बजे नाहर सैयद मेला ग्राउण्ड में महफिले कव्वाली का कार्यक्रम होगा जिसमें साकिब अली साबरी फैजाबाद (उ.प्र.) एवं शीबा परवीन (कानपुर उ.प्र.) कव्वाली की प्रस्तुति देंगी।

भगवान अजीतनाथ जैन मंदिर पर हुआ सामूहिक स्नात्र पूजन, फांफरिया परिवार रहा लाभार्थी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्वेताम्बर संघ एवं स्नात्र मंडल के तत्वावधान में प्रति रविवार लाभार्थी परिवार के सहयोग से स्नात्र पूजन का आयोजन नगर के प्रसिद्ध जैन मंदिर भगवान श्री अजीतनाथ मंदिर जनकुपूरा मंदसौर में किया जाता है। स्नात्र पूजन के संचालनकर्ता महेन्द्र छिंगावत ने बताया कि भगवान श्री अजीत नाथ मंदिर जनकुपूरा में प्रति रविवार को स्नात्र पूजन किया जाता है। जिसमें बच्चों द्वारा स्नात्र पूजन की विधि चेत्यवंदन, अष्टप्रकारी पूजन, शांतिकलश आदि क्रियाएं संपन्न करवाई जाती है।

इसमें प्रति रविवार को समाज के बच्चों के द्वारा स्नात्र पूजन का आयोजन संपन्न करवाया जाता है। इस रविवार 1 मार्च 2026 को पूजन का लाभ बलवंत सिंह, विजयेंद्र फांफरिया परिवार ने लिया आज पूजन में 31 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें मोक्षित फांफरिया, जिनय फांफरिया, प्राविश हिंगड, शुभ पोरवाल, दर्श डांगी, मनन डांगी, रिदम नाहटा, जयम नाहटा, विवान सुराणा, आदेश सालेचा, नक्ष चपरोत, तन्मय लोढा, हार्दिक डोसी, पर्व जैन, देवांशी फाफरिया, ग्रीशा फाफरिया, सिद्धि लोढ़ा, डिंपल जैन, अनुष्का जैन, ईशानी नाहटा, प्रिशा तलेरा, अविका सालेचा, दिया कर्णावट, दृष्टि कर्णावट, परी दुग्गड, प्रिशा खिंदावत, निष्ठा हिंगड़, भावना जैन, खुशी जैन सहित श्री संघ के महानुभाव एवं बच्चे उपस्थित थे लाभार्थी परिवार एवं सभी बच्चों की खूब-खूब अनुमोदना की। इस अवसर पर स्नात्र मंडल के सदस्य महेन्द्र छिंगावत, शिल्पेश नाहटा, अमित हिंगड़, अजय छिंगावत एवं शिक्षिका शंकुतला सोनगरा सहित लाभार्थी परिवार के पारसमल फांफरिया, बलवंत फांफरिया, सरोज फांफरिया, लोकेन्द्र फांफरिया, रश्मि फांफरिया, रिषभ फांफरिया, विजयेन्द्र फांफरिया, विशाखा फांफरिया आदि उपस्थित थे।

होली उत्सव में रंगों से सराबोर हुए नन्हे-मुन्ने

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में छोटी भोपाल के नाम से मशहूर ग्राम झांतला स्थित जिनेंद्र एजुकेशन एकेडमी में होली का पर्व शनिवार को बड़ी ही हर्षोल्लास एवं नन्हे मुन्ने की हंसी खुशी की खिलखिलाहट के बीच मनाया गया।

इस अवसर पर संस्था प्रधान श्रीमती संतोष मेम ने होली के महत्व को समझाते हुए पौराणिक कथा का उल्लेख कर भक्त प्रह्लाद और होलिका दहन की प्रेरक कथा का वर्णन किया तथा रंगों का महत्व, पर्व की परम्परा तथा एक दूसरे को रंग लगाने के पीछे छिपे सामाजिक संदेश को विस्तार से बताया। उन्होंने बालकों को समझाया कि होली प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। दो दिन तक मनाए जाने वाले इस पर्व के प्रथम दिन रात्रि में होलिका दहन किया जाता है और दूसरे दिन रंग गुलाल से होली का पर्व मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकों एवं बालक बालिकाओं ने एक। दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई दी तथा पारंपरिक गीतों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया।

विधायक परिहार ने विधानसभा में जीरन सर्किट हाउस, जेतपुरा ओवरब्रिज सहित सडकों निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक दिलीपसिंह परिहार ने विधानसभा सत्र के दौरान जीरन सर्किट हाउस, जेतपुरा ओवरब्रिज सहित सडकों निर्माण की मांग प्रमुखता से उठाकर जल्द पूर्ण करने की मांग की।

श्री परिहार ने विधानसभा में नीमच जिले की जीरन तहसील में सर्किट हाउस निर्माण सहित जिले की छोटी-छोटी सडकें, जो दूरदराज के गांवों और राजस्थान को जोडती हैं, जैसे ग्राम बिसलवास कलां स्टेशन से दारू मार्ग, दारू-हरनावदा मार्ग, कनावटी-लेवडा मार्ग, ग्वाल तालाब-पिराना मार्ग, पुरानी कृशि उपज मण्डी से नवीन कृशि उपज मण्डी मार्ग तथा मल्हारगढ से जीरन और जीरन से हैलीपेड तक सडक निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान करने की मांग की।

साथ ही जेतपुरा-मनासा मार्ग पर ओवरब्रिज बनाए जाने का मुद्दा दमदार तरीके से उठाया। उन्होंने इस मार्ग पर होने वाली सडक दुर्घटनाओं के बारे में सदन को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जेतपुरा चौराहा सडक हादसों की वजह से डेंजर जोन बना हुआ है। इस मार्ग पर सडक दुर्घटना के मामले लगातार बढ रहे है। कई निर्दोश लोगों ने अपनी जान दुर्घटना में गंवाई है और सैंकडों लोग घायल हुए हैं। डेंजरजोन होने के कारण हर साल लोग सडक हादसे में अपनी जान गंवा रहे हैं। इस मार्ग से हर साल लाखों की तादाद में महामाया भादवामाता के दरबार में चैत्र और शारदीय नवरात्रि में बडी संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए जाते हैं। भादवामाता के अमृतमयी जल के सेवन से लकवाग्रस्त रोगी मां की कृपा से असाध्य बीमारियों से छुटकारा पाते हैं। श्री परिहार ने ओवरब्रिज निर्माण मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए शीघ्र ही ओवरब्रिज निर्माण किए जाने की मांग की। उल्लेखनीय है कि जेतपुरा चौराहे पर ओवरब्रिज का प्रस्ताव बन जाने के बाद नीमच विधानसभा सहित मनासा विधानसभा के हजारों क्षेत्रवासियों के लिए फायदेमंद साबित होगा और हर साल होने वाले सडक हादसों और मौतों में कमी आएगी। श्री परिहार ने विधानसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेशसिंह को धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि शीघ्र ही नीमच विधानसभा की उक्त मांगों को स्वीकृत कर शीघ्र निर्माण प्रारंभ कराए जाएंगे।

दलौदा पुलिस ने मंडी में लहसुन चुराने वालों को पकड़ा, 2 आरोपी गिरफ्तार, लहसुन बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस ने मंडी में लहसुन चुराने वालों को पकड़ा है। मामले में 2 आरोपी गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराई गई लहसुन बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा द्वारा अभियान के तहत एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में दलौदा थाना प्रभारी शुभम व्यास एवं टीम ने दूसरी बार कृषि मंडी में लहसुन चोर गिरोह के सदस्य पकड़े हैं। घटना अनुसार थाना दलौदा पर 28 फरवरी को कृषि मंडी दलौदा के चौकीदार तूफानसिंह पिता मोखमसिंह राजपूत निवासी पटेला ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट किया कि कृषि उपज मंडी दलौदा से दो अज्ञात आरोपी लहसन के कट्टे चुराकर भाग गए हैं। विवेचना के दौरान विशेष टीम का गठन कर सउनि कैलाशसिंह बघेल की टीम के द्वारा मुखबीर सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ईदगाह के सामने एलची रोड पर आरोपी राधेश्याम उर्फ राजेश पिता प्रेमचंद निवासी भदवासा थाना नामली जिला रतलाम हाल मुकाम एलची एवं भानुप्रतापसिंह उर्फ राहुल पिता शंकर लौहार निवासी- कालुखेडा जिला रतलाम के कब्जे से कृषि मंडी दलौदा से चोरी की गई लहसुन के कट्टे वजनी करीब 75 किलोग्राम जप्त की गई। इस सराहनीय कार्य में उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी दलौदा, सउनि कैलाशसिंह बघेल, सउनि प्रमोद सिंह तोमर , आरक्षक विजेन्द्रसिंह, चालक मुकेश नैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विधिक ज्ञान परिचर्चा - परिपक्वता हेतु सतत अध्ययनता व नवीन न्याय उद्धरणों के प्रति जागरूकता जरूरी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कनिष्ठ अधिवक्ताओं के लिये विधिक ज्ञान परिचर्चा का आयोजन किया गया। अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता प्रकाश रातड़िया ने कहा कि विधिक ज्ञान की परिपक्वता के लिये सतत अध्ययनशीलता व नवीन न्याय उद्धरणों के प्रति जागरूकता जरूरी है। आपने कहा कि विधि क्षेत्र में नीत नये सिद्धांत प्रतिपादित होते है। प्रावधानों का विधायन होता है। परम्परागत विधि सिद्धांत, संसद व राज्य विधान मण्डलों द्वारा विधायक किये गये कानूनों के अतिरित सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालयों द्वारा प्रतिपादित न्याय सिद्धांत विधि स्वरूप में सामने आते है इसलिये न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं के लिये निरंतर जागरूकता की आवश्यकता है। आपने कहा कि संविधान में नागरिकों को दिए गए अधिकारों की सार्थकता में न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण हैं विधि साहित्य इंटरनेट प्रसारण व कृत्रिम बुद्धिमता के युग में भी मानवीय चेतना की भूमिका महत्वपूर्ण है। श्री जवारलाल नेहरू विधि महाविद्यालय के व्याख्याता सुनील बड़ोदिया ने कहा कि अभिभाषकों को दक्षता के लिये ज्ञान और अनुभव दोनों आवश्यक है। सफलता का आधार परिश्रम ही होता है। एडवोकेट मोहम्मद गजनफर खान, विधि विद्यार्थी शुभम जैन ने विचार व्यक्त किये। एडवोकेट विनोद शर्मा ने वर्तमान विधिक प्रक्रिया में अभिभाषकों की भूमिका का उल्लेख किया। संचालन रमेश ब्रिजवानी ने किया। आभार धर्मेन्द्र चौहान ने माना।

सीहोर जिले में 17 हजार 391 मृदा नमूने संग्रहित, 12 हजार 916 का परीक्षण पूर्ण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले में किसानों को वैज्ञानिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मृदा परीक्षण अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा अब तक जिले में 17 हजार 391 मृदा नमूने संग्रहित किए गए हैं, जिनमें से 12 हजार 916 नमूनों का परीक्षण पूर्ण कर लिया गया है।

कृषि अधिकारियों ने बताया कि मृदा परीक्षण के माध्यम से खेतों की मिट्टी में उपलब्ध पोषक तत्वों की स्थिति का आकलन किया जाता है। इससे किसानों को यह जानकारी मिलती है कि उनकी भूमि में किस तत्व की कमी या अधिकता है, जिससे वे संतुलित उर्वरक का उपयोग कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए हैं कि शेष नमूनों का परीक्षण शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट किसानों को उपलब्ध कराई जाए, ताकि आगामी फसल चक्र में किसान वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप उर्वरक प्रबंधन कर सकें। किसानों ने भी मृदा परीक्षण को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे लागत में कमी आती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। कृषि विभाग ने अधिक से अधिक किसानों से अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण कराने की अपील की है, ताकि जिले में टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा मिल सके।

शाला उन्नयन अभियान को मिल रहा भारी जन-समर्थन

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिला प्रशासन द्वारा जिले के शासकीय विद्यालयों के कायाकल्प और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से ज्ञानोदय - शाला उन्नयन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जन-भागीदारी के माध्यम से स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं, विशेषकर फर्नीचर (बेंच और डेस्क) की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

इस मुहिम को जिले में व्यापक जन-समर्थन मिल रहा है। जिला प्रशासन के प्रयासों और दानदाताओं की उदारता के फलस्वरूप अब तक 201 डेस्क दान स्वरूप प्राप्त हो चुकी हैं। व्यक्तिगत दानदाताओं के साथ-साथ शासन के विभिन्न विभागों ने भी सामूहिक रूप से आगे आकर इस शिक्षा सुधार की पहल में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

होली के बाद का संकल्प- 500 और बेंच का लक्ष्य- अभियान की सफलता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक नया लक्ष्य निर्धारित किया है। होली के पावन पर्व के पश्चात, दानदाताओं के सहयोग से जिले के विभिन्न स्कूलों में 500 अतिरिक्त बेंच और डेस्क उपलब्ध कराई जाएंगी। यह कदम जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक बड़ा बदलाव लाएगा।

दान की प्रक्रिया हुई सरल- ऐसे जुड़ें अभियान से इच्छुक दानदाता जो इस नेक कार्य में योगदान देना चाहते हैं, उनके लिए प्रशासन ने एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई है-

नकद राशि नहीं, केवल वस्तु दान- प्रशासन किसी भी प्रकार का नकद दान स्वीकार नहीं कर रहा है। दानदाता सीधे डेस्क/बेंच के रूप में ही अपना योगदान दे सकते हैं।

पंजीकरण- दानदाता प्रशासन द्वारा जारी इस लिंक पर फॉर्म भर सकते हैं- https://forms.gle/wvpRMjKkyz7AfBqM9

सीधा संपर्क (हेल्पलाइन)- यदि दानदाता फॉर्म नहीं भरना चाहते, तो वे सीधे जिला कंट्रोल रूम के नंबर 07412425735 पर कॉल कर सकते हैं। कंट्रोल रूम की टीम उन्हें स्कूल चुनने और मैपिंग में पूरी मदद करेगी।

सहयोग के विकल्प- दानदाता स्वयं फर्नीचर खरीदकर सीधे स्कूल को दे सकते हैं या कंट्रोल रूम के माध्यम से ऑर्डर प्लेस करवा सकते हैं।

सप्लायर चयन और गुणवत्ता सुनिश्चित करना- सैंपल प्रदर्शन- विभिन्न सप्लायर्स ने अपने डेस्क/बेंच के सैंपल जिला पंचायत कार्यालय में प्रदर्शित किए हैं, जहाँ उनके नाम और नंबर भी अंकित हैं।

दरें और स्पेसिफिकेशन- सप्लायर्स के कोटेशन और डेस्क की मानक डिजाइन ऑनलाइन फॉर्म की लिंक पर उपलब्ध हैं।

स्वतंत्र चुनाव- दानदाता जिला पंचायत में प्रदर्शित सप्लायर्स या अपनी पसंद के किसी भी अन्य सप्लायर को ऑर्डर दे सकते हैं, बशर्ते फर्नीचर निर्धारित Specifications के अनुरूप हो।

प्रशासन की अपील- जिला प्रशासन ने सभी प्रबुद्ध नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और उद्योगपतियों से अपील की है कि वे %ज्ञानोदय अभियान% का हिस्सा बनकर रतलाम के बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहयोग करें।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी का वैक्सीनेशन प्रारंभ 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं का वैक्सीनेशन होगा -कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) से बचाव के लिए ह्यूमन पैपिलोमा वायरस(एच पी वी) एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ अजमेर राजस्थान से किया गया। रतलाम जिले में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह , रोगी कल्याण समिति सदस्य श्री गोविंद काकानी, श्री हेमंत राहोरी, सीएमएचओ डॉ संध्या बेलसरे, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ ए पी सिंह, प्रभारी बाल चिकित्सालय एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ आर सी डामोर, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ मनीष सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ वर्षा कुरील ,डीपीएम श्रीमती अर्चना राठौर एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ गौरव बोरीवाल, डी सी एम श्री कमलेश मुवेल की उपस्थिति में बाल चिकित्सालय रतलाम में 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं का (एच पी वी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस)वैक्सीनेशन प्रारंभ किया गया।

जिले में वैक्सीन का पहला डोज वंदना राठौर पिता मुकेश राठौर निवासी रतलाम को लगाया गया। इसके बाद आराध्या पिता अर्जुन बसेर निवासी रत्नेश्वर रोड तथा अन्य बालिकाओं का वैक्सीनेशन किया गया ।

कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने बताया कि रतलाम जिले में प्रथम चरण में 90 दिवस की अवधि में 18917 बच्चों को टीकाकरण किया जाएगा। ऐसी बालिकाएं जिन्होंने अपना 14वां जन्म दिवस मना लिया है और 15 जन्मदिवस नहीं मनाया है वैक्सीनेशन के लिए पात्र रहेगी। वैक्सीन पुरी तरह निशुल्क होकर स्वैच्छिक है। इस वैक्सीन से महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु रोग प्रतिरोधक क्षमता मिलेगी। जिले के 9 शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों पर ही वैक्सीनेशन किया जाएगा। इसके लिए परिवारजनों को परामर्श देकर बच्चों को मोबिलाइज किया जाएगा।

जावद में आगामी त्यौहारों को देखते हुए फ्लैग मार्च निकला, दिया शांति का पैगाम, यह पढ़े खबर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश से आगामी त्यौहारों को देखते हुए जावद एसडीओपी रोहित राठौर, थाना प्रभारी विकास पटेल की उपस्थिति में रविवार को फ्लैग मार्च बस स्टैंड, शास्त्री चौक, श्री परकोटा हनुमान मंदिर, लक्ष्मीनाथ मार्ग, लक्ष्मीनाथ चौक, माणक चौक, कंठाल चौराहा, कसेरा बाजार, खुर्रा चौक, अठाना दरवाजा, सिलावटी मौहल्ला, बागडिया बाजार, बोहरा गली, बावल दरवाजा, खातिवाडा, जोगणिया माता चौराहा सहित विभिन्न मार्गो से निकला। नगर में पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकालकर शांति का पैगाम दिया।फ्लैग मार्च में जावद एसडीओपी रोहित राठौर, जावद थाना प्रभारी विकास पटेल, एसआई टी.आर. चौहान, शैलेन्द्र कुमार चौहान, एसडीओपी कार्यालय के प्रहलाद चंद कतिरिया, सुचना संगलन के रवि पांडे, सुनील डिंडोर सहित पुलिस बल मौजूद था। जावद एसडीओपी रोहित राठौर, थाना प्रभारी विकास पटेल ने कहा नगर में सभी त्यौहार भाई चारे से मनाए, एसी कोई घटना, दुर्घटनाएं हो जाए तो डायल 112 को फोन लगाए साथ ही हमें फोन लगाकर अवगत कराए, पुलिस प्रशासन आपकी रक्षा के लिए 24 घंटे आपके साथ है।

उल्लास और उमंग का उत्सव है भगोरिया मेला

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगोरिया मेला प्रदेश के झाबुआ, आलीराजपुर, खरगौन, बड़वानी और धार के साथ ही सीहोर जिले के भील, भिलाला और बारेला जनजाति द्वारा होली से सात दिन पहले मनाया जाने वाला सात दिवसीय प्रसिद्ध जनजातीय उत्सव है। फसल कटाई के जश्न के रूप में होली के सात दिन पहले शुरू होने वाला यह मेला, फसल कटाई के बाद जनजातीय समुदाय द्वारा उल्लास के साथ मनाए जाने वाला त्यौहार है। भगोरिया में रंग-गुलाल लगाने, नृत्य-संगीत और खरीदारी करने की उदात्त भावनाएँ मुखरता से प्रदर्शित होती है।

फागुन महीने में जब चारों ओर प्रकृति में नया उल्लास होता हैं तब पश्चिम निमाड़ से झाबुआ तक के जनजातीय क्षेत्रों के साप्ताहिक हाट बाजार भगोरिया के रंग में रंगे होते हैं। मेले में हर तरफ फागुन और इन्द्रधनुषी प्रेम के रंग नज़र आते हैं। इन मेलों में मुख्य रूप से होली के लिए खरीददारी करने के लिए लोग आते हैं।

गैर जनजातीय समुदाय के लिए भी भगौरिया के साप्ताहिक हाट बाजार विशिष्ट होते हैं। इसका सभी व्यापारियों को भी इंतजार रहता है। इसमें दुकानदार साल भर की कमाई, भगोरिया के साप्ताहिक बाजार से कर लेते हैं। भगोरिया हाट (बाजार) में जरूरत की वस्तुएं, मिठाइयाँ और पारंपरिक आभूषण बिकते हैं।

मानवता की सेवा: नीमच में 1000 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग और उपकरण देने का महाभियान 15 मार्च से

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ अग्रवाल विकास समिति, नीमच (सीएसवी अग्रोहा भवन) एवं श्री भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल सेवा प्रकल्प का आयोजन होने जा रहा है। आगामी 15 से 17 मार्च 2026 तक स्थानीय सीएसवी अग्रोहा भवन, गोमाबाई रोड पर त्रि-दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण एवं उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस पुनीत कार्य का मुख्य लक्ष्य क्षेत्र के लगभग 1000 दिव्यांग भाई-बहनों को चिन्हित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और उनके जीवन की बाधाओं को दूर करना है।

इस तीन दिवसीय शिविर के दौरान दिव्यांगजनों को विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट (कृत्रिम पैर), कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स (विशेष जूते), बैसाखियां, वॉकर, छड़ी, ट्राई साइकिल, व्हील चेयर और श्रवण यंत्र (कान की मशीन) जैसी सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। आयोजन समिति ने बताया कि यह शिविर रविवार प्रातः 9 बजे से शुरू होकर मंगलवार दोपहर 3 बजे तक निरंतर चलेगा। शिविर का लाभ लेने के लिए लाभार्थियों को अपना दिव्यांग प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा।

संस्था ने क्षेत्र के सभी जरूरतमंदों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाने के लिए 10 मार्च 2026 तक अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। पंजीकरण की प्रक्रिया सीएसवी अग्रोहा भवन पर सुबह 10 से शाम 5 बजे तक खुली है। अधिक जानकारी और सुगम पंजीकरण के लिए मोबाइल नंबर 6260614304 पर संपर्क किया जा सकता है। आयोजन समिति का प्रयास है कि कोई भी पात्र दिव्यांग इस सुविधा से वंचित न रहे, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जी सकें।

सम्पादकीय

खामोशी से जान लेती सेक्सवर्धक दवाएं

भारत जैसे समाज में यौन स्वास्थ्य आज भी खुली बातचीत का विषय नहीं है। पुरुषों से अपेक्षा की जाती है कि वे हर हाल में सक्षम रहें–चाहे उम्र, तनाव या बीमारी कुछ भी हो। इसी दबाव में डॉक्टर से सलाह लेना कमजोरी मान लिया जाता है, जबकि बिना जांच दवा खाना समाधान समझ लिया जाता है। यही चुप्पी सबसे खतरनाक है। लोग अपने शरीर के संकेतों को अनदेखा करते हैं, मानसिक तनाव को दबाते हैं और सामाजिक छवि बचाने के लिए जोखिम उठाते हैं। नतीजा यह होता है कि एक अस्थायी समाधान स्थायी मौत में बदल जाता है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक असफलता है।

भारत में समय-समय पर सामने आने वाली कुछ मौतें सुर्खियों में आ जाती हैं, लेकिन उनसे जुड़ी असहज सच्चाइयों पर समाज अक्सर चुप्पी साध लेता है। होटल के कमरों, निजी फ्लैटों और बंद दरवाजों के पीछे हुई मौतों को संदिग्ध परिस्थितियों कहकर दर्ज कर दिया जाता है और मामला यहीं खत्म मान लिया जाता है। लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं हैं। ये उस समस्या का संकेत हैं, जो देशभर में फैल चुकी है और जिसकी कीमत हज़ारों लोग अपनी जान देकर चुका रहे हैं–बिना चिकित्सकीय सलाह के सेक्सवर्धक दवाओं के बेतहाशा और लापरवाह इस्तेमाल से।

देश में इन दवाओं की उपलब्धता किसी सामान्य टॉनिक की तरह है। मेडिकल स्टोर, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और अनधिकृत चैनलों से ये दवाएं बिना पर्ची, बिना चेतावनी और बिना किसी परामर्श के मिल जाती हैं। न उम्र पूछी जाती है, न पहले से मौजूद बीमारियों का जिक्र होता है, न ही संभावित दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाती है। मानो यह दवा नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव से निकलने का कोई आसान रास्ता हो। यही आसान रास्ता कई बार सीधे मौत की ओर ले जाता है।

इन दवाओं का असर केवल शारीरिक नहीं होता। हृदय गति, रक्तचाप और नर्वस सिस्टम पर पड़ने वाला प्रभाव किसी भी व्यक्ति के लिए घातक हो सकता है, खासकर तब जब पहले से हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप या अत्यधिक तनाव मौजूद हो। इसके बावजूद इन दवाओं के विज्ञापन मर्दानगी को चुनौती की तरह पेश करते हैं–उम्र को मात देने, क्षमता साबित करने और कमजोरी छिपाने के संदेश खुलेआम परोसे जाते हैं। सवाल यह है कि जब नतीजे जानलेवा हो सकते हैं, तो इस प्रचार की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा?

इस पूरे संकट की जड़ में समाज की वही पुरानी सोच है, जो यौन स्वास्थ्य को आज भी शर्म और चुप्पी के दायरे में रखती है। पुरुषों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे हर हाल में सक्षम रहें, चाहे शरीर साथ दे या नहीं। डॉक्टर से सलाह लेना कमजोरी समझा जाता है, जबकि बिना जांच दवा लेना बहादुरी या समझदारी मान लिया जाता है। यही मानसिक दबाव व्यक्ति को ऐसे फैसले लेने पर मजबूर करता है, जिनकी कीमत जान से चुकानी पड़ सकती है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ऐसी मौतों के बाद भी सच्चाई अक्सर सामने नहीं आती। परिवार सामाजिक बदनामी के डर से चुप रहना बेहतर समझता है। मृत्यु प्रमाण-पत्र पर कारण कुछ और लिख दिया जाता है और मामला खत्म हो जाता है। पुलिस के लिए यह एक और प्राकृतिक मौत बन जाती है और सिस्टम आगे बढ़ जाता है। लेकिन हर बार जब सच्चाई दबा दी जाती है, तब अगली मौत की जमीन तैयार हो जाती है।

यह केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक त्रासदी नहीं है। यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है, जिसे स्वीकार करने से हम लगातार बचते रहे हैं। अगर सच सामने आए, अगर आंकड़े ईमानदारी से इकट्ठा किए जाएं, तो शायद यह साफ दिखे कि ऐसी मौतें सैकड़ों नहीं, बल्कि हज़ारों में हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इनमें से अधिकांश कभी चर्चा का विषय नहीं बनतीं।

सरकार और स्वास्थ्य तंत्र की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। आखिर इन दवाओं की बिक्री पर सख्त नियंत्रण क्यों नहीं है? पर्ची को अनिवार्य क्यों नहीं किया जाता? भ्रामक और आक्रामक विज्ञापनों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? जब किसी दवा के दुष्प्रभाव जानलेवा हो सकते हैं, तो उसके प्रचार और उपलब्धता पर वही सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती, जो अन्य खतरनाक पदार्थों पर होती है? हर घटना के बाद जांच जारी है कह देना अब पर्याप्त नहीं है। सवाल यह है कि जांच के नतीजों से नीति क्यों नहीं बनती।

मीडिया की भूमिका भी इस पूरे मामले में दोहरी रही है। एक ओर सनसनीखेज सुर्खियां बनती हैं, निजी जीवन को उछाला जाता है और कुछ दिनों बाद मामला भुला दिया जाता है। दूसरी ओर, कई बार इस विषय को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया जाता है, क्योंकि इसे असहज या संवेदनशील मान लिया जाता है। जबकि जिम्मेदार पत्रकारिता का अर्थ ही यही है कि वह असहज सवाल पूछे। यौन स्वास्थ्य पर बात करना न अश्लीलता है, न निजी दखल–यह सीधे तौर पर जीवन और मृत्यु से जुड़ा विषय है।

होली चैतन्य के रंग में सराबोर होने का पर्व

विभिन्न रंगों की ऊर्जा आध्यात्मिक चेतना के विभिन्न स्तरों को प्रभावित करती है।

होली रंगों का, स्नेह का, दोस्ती का त्योहार है। पुराने सारे बैर मिटाकर वातावरण में आपसी सद्भावना का संचार करना ही होली मनाने का उद्देश्य है।

सहजयोग? प्रणेता और हमारी परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी होली पर जो प्रवचन दिया था, उसके आधार पर, कुंडलिनी के माध्यम से साधक विराट द्वारा निर्मित अपने शरीर में स्नेह का संचार करते हैं जिससे हमारा शरीर चैतन्य की अनुभूति पाता है। रंग सभी चक्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हर चक्र का अलग रंग है। चैतन्य के माध्यम से हमारे अंदर स्थित चक्रों का रंग पूरे वायु में स्नेह रुप में प्रवाहित होने लगता है, हम इस प्रवाह के माध्यम बन जाते हैं। जब हम किसी को रंग लगाते हैं तब हमारे साथ उस रंग से जुड़ा उसका चक्र भी आशीर्वादित होता है। जब हम किसी को लाल रंग लगाते हैं तब अनजाने में ही हमारी यह भावना होती है कि वह लाल रंग से पूर्णतया रंग जाये। लाल रंग मूलाधार का चक्र है और अबोधिता का द्योतक है।

होली का आध्यात्मिक तथ्य श्री माताजी के प्रवचन के सारांश से स्पष्ट होता है। रंगों की सुगंध और मिठाई की खुशबू इस त्योहार को रंगीन और मीठा बनाती है।

योग ज्ञान के आधार पर अबोधिता गुण वाले मूलाधार चक्र (जड़ चक्र)का रंग लाल, सृजनात्मकता वाले चक्र स्वाधिष्ठान का पीला, संतुष्टि प्रदान करने वाले नाभी का रंग हरा, निर्भयता व आत्मविश्वास देने वाले हृदय चक्र का रंग माणिक लाल, साक्षी भाव प्रदान करने वाले विशुद्धि का रंग नीला, क्षमाशीलता के गुण वाले आज्ञा चक्र का रंग सफेद और सदाशिव के आसन सहस्त्रार का रंग इंद्रधनुषी है। अपने प्रियजनों और मित्रों को रंग लगाते समय सहज योगी साधक की सार्थकता सभी को मिले, यही हमारी परमपूज्य श्री माताजी से प्रार्थना है। होली की कथा यह है कि होलिका की मृत्यु के सुख, संतुष्टि और शांति से आल्हादित लोगों ने एक दूसरे पर होलिका दहन की राख मलकर होली मनाई थी।

कथा यह भी है कि कामदेव ने शिव पर अपने पुष्प बाण से प्रहार किया, जिससे शिव की समाधि भंग हो गयी. क्रुद्ध होकर, शिव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर कामदेव को भस्म कर दिया. बाद में, देवताओं ने शिव को पार्वती से विवाह के लिए राजी किया. इस घटना को याद करते हुए, फाल्गुन पूर्णिमा को होली के रूप में मनाया जाता है।

पौराणिक कथाओं के मुताबिक, ब्रज में सबसे पहले होली श्रीकृष्ण और राधा ने खेली थी. कहा जाता है कि श्रीकृष्ण ने ही अपने ग्वालों के साथ होली खेलने की शुरुआत की थी। होली की शुरुआत पर चाहे कितनी भी कहानी हो, उद्देश्य बेहद सुखद है क्योंकि जीवन में रंगों का महत्व बहुत गहरा होता है, रंग ऊर्जा, भावनाओं और आध्यात्मिक चेतना को प्रभावित करते हैं। विभिन्न रंग विभिन्न ऊर्जाओं और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो योग अभ्यास और साधना के लिए तो उपयोगी है ही, बड़ी सार्थकता के साथ हमारे त्योहारों से भी जुड़े हैं।

यह युद्ध नहीं, मानवता का सार्वजनिक दाह-संस्कार है

मध्य पूर्व की धरती आज बारूद नहीं, मानो जलती हुई मानवता की गंध से भर उठी है। अमेरिका, ईरान और इज़राइल के बीच यह अब केवल सीमाओं का टकराव नहीं–खामेनेई के नाम के साथ सिमटती ईरानी सत्ता ने दुनिया की हर धड़कन पर अनिश्चितता का ट्रिगर दबा दिया है। बस एक चिंगारी, और सभ्यता विश्व युद्ध की अंधी खाई में धकेली जा सकती है। शहर धधकती चिताओं में बदल रहे हैं, आसमान में मिसाइलें हैं, और ज़मीन पर मासूमों का लहू। इसके बावजूद वैश्विक मंचों पर शब्दों का धुआँ उठता है, संकल्पों की राख उड़ती है, पर साहस की ज्वाला कहीं नहीं दिखती। हमारी चुप्पी इस हिंसा की सबसे भरोसेमंद संरक्षक बन चुकी है। हम सुरक्षित कमरों में बैठकर दृश्य देखते हैं, यह भूलकर कि लपटें कभी दीवारों और नक्शों से नहीं डरतीं। सवाल गूंजता है–आखिर हम चाहते क्या हैं? शांति, या ऐसा भविष्य जहाँ बच्चों की पहली आवाज़ रोने की नहीं, धमाकों की हो?

मानवीय संकट का यह चेहरा किसी भी जीवित अंतःकरण को तोड़ देने के लिए पर्याप्त है। अस्पतालों में दवाओं से ज्यादा चीखें हैं, शरण शिविरों में उम्मीद से ज्यादा हताशा पसरी है। माताएँ अपने बच्चों को सीने से चिपकाए आग बरसाते आसमान को ताकती हैं, जैसे ईश्वर से उत्तर मांग रही हों–क्यों? इज़राइल की गलियों में सायरनों की तीखी पुकार है, ईरान के मुहल्लों में धुएँ का घना अंधकार, और अमेरिकी सैनिकों की आँखों में डगमगाता विश्वास। यह केवल भूगोल की जंग नहीं, यह आने वाले कल का योजनाबद्ध संहार है। शरणार्थियों की पंक्तियाँ सीमाएँ पार कर रही हैं, अर्थव्यवस्थाएँ काँप रही हैं, और पर्यावरण जहरीले धुएँ में घुट रहा है। फिर भी विश्व समुदाय की प्रतिक्रिया नपी-तुली, कूटनीति में कैद और संवेदना से रिक्त दिखाई देती है। क्या हमारी संवेदनाएँ इतनी सस्ती हो चुकी हैं कि आँकड़ों में बदलती लाशें हमें सामान्य लगने लगी हैं?

हम सब अपने-अपने धर्मों को श्रद्धा से मानते हैं, अपने-अपने पवित्र ग्रंथों को आदर से पढ़ते और सुनते हैं। कोई कुरान की आयतों में रहमत खोजता है, कोई बाइबिल में प्रेम का आलोक, कोई तोराह में न्याय की पुकार, कोई गीता में कर्तव्य का मार्ग। हर ग्रंथ करुणा, संयम और मानवता की बात करता है। फिर यह कैसा रास्ता है जिस पर चलकर हम खून की धाराओं को बहने दे रहे हैं? यदि ईश्वर एक है, तो उसके नाम पर उसके बंदे इतने टुकड़ों में क्यों बंटे हैं? यदि प्रार्थनाएँ शांति के लिए उठती हैं, तो फैसले युद्ध के पक्ष में क्यों गिरते हैं? हम धर्म को अपनी पहचान की ढाल बना लेते हैं, पर उसके मूल संदेश को पीछे छोड़ देते हैं। आखिर हम चाहते क्या हैं–ईश्वर की सच्ची उपासना या सत्ता की प्यास में इंसानियत की आहुति?

वैश्विक चुप्पी का यह अपराध समय की दीवारों पर दर्ज होकर रहेगा। संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में शब्द गूँजते हैं, प्रस्ताव बनते हैं, पर धरती पर गोलियों की बरसात थमती नहीं। शक्तिशाली राष्ट्र अपने-अपने हितों की शतरंज बिछाए बैठे हैं; कोई तेल की चाह में, कोई प्रभुत्व की लालसा में, कोई सुरक्षा के आवरण में। मीडिया कुछ दिन कोलाहल करता है, फिर अगली सनसनी की ओर मुड़ जाता है। सोशल मीडिया पर हैशटैग उफान लेते हैं, पर बदलाव की ठोस लहर नहीं उठती। क्या 1945 के बाद जिस शांति का संकल्प लिया गया था, वह केवल इतिहास की किताबों तक सिमट गया? परमाणु आशंका की छाया फैल रही है, आतंक की जड़ें और गहरी हो रही हैं। हमारी चुप्पी इस धधकती आग को निरंतर हवा दे रही है।

दुनिया की जवाबदेही केवल सत्ताओं की चौखट तक सीमित नहीं, वह हर नागरिक के विवेक पर भी टिकी है। हम चुनावी मंचों पर विकास की दुहाई देते हैं, पर युद्ध को कभी निर्णायक प्रश्न नहीं बनाते। सस्ते ईंधन पर मुस्कुराते हैं, पर उसकी कीमत में घुली रक्तरंजित राजनीति पर चुप्पी साध लेते हैं। हथियारों के सौदे बढ़ते हैं, और हम शेयर बाज़ार की छलांग पर तालियाँ बजा देते हैं। क्या सच में हम निर्दोष हैं? हर खरीदी गई सुविधा, हर टाला गया प्रश्न, हर अनदेखा अन्याय इस त्रासदी की जंजीर की एक कड़ी है। यदि शांति हमारी सच्ची चाह है, तो हमारी आवाज़ नीतियों के दरवाज़े तक पहुँचनी ही होगी। वरना आने वाली पीढ़ियाँ कठोर स्वर में पूछेंगी–जब पृथ्वी धधक रही थी, तब आप किसके साथ खड़े थे?

भावनाओं की उस आग को महसूस कीजिए जो हर विस्फोट के साथ दिलों में भड़क उठती है। एक ईरानी माँ की चीख, एक इज़राइली बच्चे की सहमी हुई आँखें, एक अमेरिकी सैनिक का मौन– इन सबमें एक ही मानव पीड़ा है। दर्द का कोई मजहब नहीं, आँसू की कोई सीमा नहीं होती। सभ्यताएँ दरक रही हैं, पीढ़ियाँ आघात के साये में बड़ी हो रही हैं। यह टकराव केवल वर्तमान को नहीं, आने वाले दशकों को भी घायल कर रहा है। क्या हम इतने पत्थर हो चुके हैं कि परायी पीड़ा हमें हिला नहीं पाती? या हमने अपने भीतर की करुणा को सुविधाओं के बदले बेच दिया है? आखिर हम चाहते क्या हैं–ऐसी विरासत जहाँ नफरत ही अगली पीढ़ी की पहचान बने?

यह समय केवल शोकगीत गाने का नहीं, आत्ममंथन का है। यदि संकल्प हो तो संवाद किसी भी बम से अधिक प्रभावशाली हो सकता है। यदि नीयत साफ हो तो सहानुभूति किसी भी प्रतिबंध से अधिक परिवर्तनकारी सिद्ध हो सकती है। मानवीय सहायता, निष्पक्ष मध्यस्थता और निर्भीक नेतृत्व–यही वे पुल हैं जो हमें इस खतरनाक दहलीज से पीछे ला सकते हैं। धर्मों की सच्ची शिक्षाएँ अमल मांगती हैं, केवल उद्धरण नहीं। यदि अपने ग्रंथों का सम्मान सचमुच करते हैं, तो करुणा को नीतियों की धुरी बनाना होगा। अब चुप रहना विकल्प नहीं, स्पष्ट अपराध है। इतिहास गवाह है कि उदासीनता भी विनाश की सहभागी होती है।

जब इतिहास की दीवारों पर युद्ध की परछाइयाँ काँपने लगें और सभ्यता स्वयं अपनी साँसों की आवाज़ सुनने लगे, तब सबसे असहज प्रश्न सीने पर दस्तक देता है–आखिर हम सच में चाहते क्या हैं? मध्य पूर्व की यह दहकती आग पूरे विश्व को निगलने की क्षमता रखती है, यदि हम अब भी सुविधा की चादर ओढ़े चुप बैठे रहें। शांति कोई आदर्शवादी सपना नहीं, बल्कि अस्तित्व की आवश्यकता है। हमें तय करना होगा कि हम तमाशबीन रहेंगे या परिवर्तन के प्रहरी बनेंगे। अपनी आवाज़ उठाना, मानवीय मूल्यों के पक्ष में खड़ा होना, और युद्ध की स्वार्थी राजनीति को अस्वीकार करना–यही हमारी जिम्मेदारी है। वरना आने वाला कल हमें क्षमा नहीं करेगा। चुप्पी तोड़िए, क्योंकि कई बार एक निर्भीक स्वर ही इतिहास की दिशा बदल देता है। भावनाओं की आग में जलकर जागिए, क्योंकि कल बहुत देर हो सकती है।

–प्रो. आरके जैन

पुलिस बनाम पुलिस विवाद के बीच सियासत गरमः सुक्खू सरकार के लिए संकट में अवसर?

यह सब बेहद हैरान करने वाला है। पुलिसकर्मियों का काम अपराधियों को गिरफ्तार करना होता है। लेकिन एक राज्य की पुलिस दूसरे राज्य के पुलिस कर्मियों को गिरफ्तार कर रही है। हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में हम ऐसा देख चुके हैं। इन सब के मूल में राजनीति है।

हाल में भारतीय युवा कांग्रेस से जुड़े कुछ युवाओं ने दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में कमीजें उतार कर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद दिल्ली पुलिस की एक टीम शिमला जिले के रोहड़ू तहसील के चिरगांव इलाके में पहुंची और इनमें से कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने दावा किया कि इन युवाओं को उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना गिरफ्तार किया गया (किसी दूसरे राज्य में किसी को गिरफ्तार करने के लिए उचित कागजी कार्रवाई आवश्यक होती है), और इसी आधार पर उन्होंने दिल्ली पुलिस के खिलाफ अपहरण का आरोप लगा दिया।

कानून व्यवस्था और पुलिस व्यवस्था पूरी तरह से राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती है। 'गिरफ्तारी/अपहरण' का मामला अदालत में विचाराधीन है, लेकिन दोनों राज्यों ने एक-दूसरे के पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में भाजपा की सरकार है लेकिन राजधानी में कानून-व्यवस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन है जिसे अमित शाह संभालते हैं। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हैं।

और सुक्खू के समर्थकों का मानना ??है कि यह विवाद उनके लिए सबसे अच्छी बात साबित हुई है। विधान सभा चुनावों के बाद जब उन्हें 2022 में मुख्यमंत्री बनाया गया, तो शीर्ष पद तक पहुंचने का रास्ता कठिन था और कांग्रेस की जीत जोखिम भरी थी। हालांकि कांग्रेस ने अधिकांश सीटें (68 में से 40) जीतीं, लेकिन कांग्रेस और भाजपा का वोट शेयर लगभग बराबर (43.9 प्रतिशत और 43 प्रतिशत) था। दोनों पार्टियों को पड़े वोटों में अंतर केवल 37,974 था। यह उस राज्य में दो पार्टियों के बीच दर्ज किया गया अब तक का सबसे कम वोट शेयर अंतर था। निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर, वोट शेयर में औसत अंतर 1.41 फीसदी था, जो 1951 के बाद सबसे कम था। इसलिए कांग्रेस जो भी करती, भाजपा उसके पीछे लगी रहती।

सुक्खू के कई प्रतिद्वंद्वी होने से भी स्थिति और बिगड़ रही थी। कुछ तो पैदाइशी? थे, कुछ उन्होंने खुद ही पैदा किए थे। वह हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे, लेकिन वीरभद्र सिंह (दिवंगत), जो छह बार मुख्यमंत्री रह चुके थे और राज्य में पार्टी के सबसे बड़े नेता थे, सरकार और संगठन पर अपना दबदबा बनाए हुए थे। गांधी परिवार ने सुक्खू के उत्थान को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया और उन्हें वीरभद्र सिंह के विकल्प के रूप में सत्ता के केंद्र के तौर पर स्थापित किया। इससे स्वाभाविक रूप से टकराव पैदा हुआ। वीरभद्र सिंह के निधन के बाद भी यह कलह जारी रहा।

–सुनील कुमार महला

दिलों को दिल से जोड़ती पवित्र सनातनी होली

फाल्गुनी रंगो से मनाई जाने वाली होली न सिर्फ भाईचारे ,सौहार्द्र और प्यार,स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है ।होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल मे ब्रम्हाजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था,कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्तु ,न दिन मे मरे न रात मे ,न अस्त्र से न शस्त्रों से ,न धरती पर न आकाश मे उसकी मृत्यु हो ,इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रह्मा से बढकर भगवान समझने लगा ,राज्य मे कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नही कर सकता था ,केवल हिरण्कश्यपु की ही पूजा हो सकती थी ।

कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ ,बालक बडा ही धार्मिक प्रवृत्ति का था और भगवान विष्णु का भक्त भी,यह बात राजा को अत्यंत नागवार गुजरती थी ,उसने अपने पुत्र को बहुत समझाने का प्रयास किया कि उसका पिता राजा हिरण्यकषिपु ही एकमात्र भगवान है ,पर बालक अपने पिता के इस अधर्मी आदेश को नही मानता था,

बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती करने हेतु उसके पिता हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र मे फेंकने का आदेश दिया ,उसे हाथी कुचलने का आदेश दिया,पहाड से नीचे फेंका गया पर भगवान विष्णु की भक्ति और दया से बालक प्रह्लाद जीवित सकुशल बच गया ।अंत मे राजा ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद की बुआ होलिका का सहारा लिया ,होलिका को जी तपस्या से एक ऐसे कपडे का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नही सकती थी । इसी वरदान का फायदा उठाते हुए ,होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद मे लेकर अग्नि स्नान किया ,पर होलिका की चुनरी उड कर प्रह्लाद पर लिपट गई ,और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई,प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलीका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है।

प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पडा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है ,बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह हैं ,आप मे, मुझ मे ,आपकी तलवार मे इस,इस खंबे मे भी ।

तब हिरण्यकश्यपु ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई ,तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला ,जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद मे लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड दिया ।

बालक प्रह्लाद की अनन्य भक्ति को देखकर उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने लगा। भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान ने हिरण कश्यप का वध कर अहम दंभ और बुराइयों को खत्म किया और तब से होली का त्योहार प्राचीन समय से भारत देश में मनाया जा रहा है। होली पूरे विश्व में अनूठा, अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम रूप में मनाया जाता है, एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जाती है, एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों का त्योहार बहुत ही खुशी से आजादी तो क्यों मनाया जाता है देश की इस महान परंपरा को प्रणाम।

–संजीव ठाकुर

एक नई जंग, मिडिल ईस्ट में बढ़ा तनाव

अमेरिका जिस तरह बीते कुछ दिनों से ईरान को चेतावनी देने के साथ ही उसकी घेरेबंदी कर रहा था, उससे ऐसा लगता था कि उसका उद्देश्य उससे वार्ता कर उसे इसके लिए बाध्य करना भर है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम का परित्याग कर दे, लेकिन उससे बातचीत के बीच ही उसने इजरायल संग उस पर हमला बोल दिया। इसके जवाब में ईरान ने भी इजरायल के साथ ही पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। उसका साथ देने के लिए लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हाउती भी आगे आ गए हैं। इसका परिणाम ईरान पर इजरायल एवं अमेरिका के हमले और तेज होने के रूप में ही सामने आएगा। इससे आपसी मतभेदों के दौर से गुजर रहे अरब जगत के साथ-साथ पश्चिम एशिया और अस्थिर तो होगा ही, तेल के दाम भी बढ़ सकते हैं।

–डॉ. सुधाकर आशावादी

16वें वित्त आयोग से दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ी

सोलहवें वित्त आयोग की रिपोर्ट गत एक फरवरी को 2026-27 के बजट की प्रस्तुति के साथ सार्वजनिक की गई थी। उसकी सिफारिशों के साथ व्यापक रूप से टिप्पणियां भी हैं। हालांकि इन टिप्पणियों में एक समान बात नजर आती है। इनसे संकेत मिलता है कि 16वें वित्त आयोग ने कुछ राज्यों की उस मांग को कोई रियायत नहीं दी है जिसमें या तो उनके लिए केंद्रीय करों के हस्तांतरण को वर्तमान 41 फीसदी से बढ़ाने की बात थी या फिर करों का विभाज्य पूल तय करने में उपकर और अधिभार को शामिल करने की मांग थी।

आयोग ने कुछ राज्यों की उस मांग को भी स्वीकार नहीं किया है कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं को समाप्त करके विभाज्य पूल में उनकी हिस्सेदारी बढ़ाई जाए। यह तर्क योजनाओं के क्रियान्वयन के विकेंद्रीकृत तरीके के पक्ष में था ताकि राज्य अपनी खास जरूरतों के मुताबिक उनको अपना सकें। राज्यों का तर्क था कि उन्हें उन केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए विवश नहीं किया जाना चाहिए जिनमें उनके पास ज्यादा अधिकार नहीं होते लेकिन उनको लागत का करीब 40 फीसदी वहन करना पड़ता है।

ऐसे में केंद्र सरकार इन योजनाओं पर व्यय को कम कर सकती थी और बचे हुए पैसों का इस्तेमाल विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ाने में किया जा सकता था। इन मांगों को स्वीकार करने के बजाय आयोग ने विभाजन के फॉर्मूले में ही कई बदलाव कर दिए हैं। उसने राज्यों को कर विभाजन का एक नया मानक बना दिया है। पहले 2.5 फीसदी का भार रखने वाले कर और राजकोषीय प्रयासों की जगह अब देश के सकल घरेलू उत्पाद में राज्यों के योगदान के लिए 10 फीसदी भार वाला एक नया मानक तय किया गया है।

यह बदलाव क्षेत्रफल को दिए गए भार को 15 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी, जनसांख्यिकीय प्रदर्शन को 12.5 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी और आय अंतर को 45 फीसदी से घटाकर 42.5 फीसदी करके किया गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या का भार 15फीसदी से बढ़ाकर 17.5 फीसदी कर दिया गया है। विकास का एकमात्र मापदंड जो अपरिवर्तित रहा है, वह है वन क्षेत्र, जिसका भार 10 फीसदी पर बरकरार रखा गया है।

इन परिवर्तनों का व्यापक उद्देश्य समानता पर ध्यान केंद्रित रखते हुए, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान जैसे नए प्रदर्शन-आधारित मापदंड को अधिक महत्त्व देना प्रतीत होता है। ध्यान रहे कि क्षेत्रफल मापदंड किसी राज्य के भू-भाग को संदर्भित करता है। जनसांख्यिकीय प्रदर्शन किसी राज्य की प्रजनन दर को नियंत्रित करने में सफलता को दर्शाता है; और आय अंतर किसी राज्य के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और शीर्ष तीन राज्यों के औसत जीएसडीपी के बीच के अंतर को दर्शाता है।

किसी भी वित्त आयोग की सिफारिशें अनिवार्य रूप से देश की विकसित होती राजनीतिक अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत संदेश देती हैं। चाहे वह 14वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के लिए ऊर्ध्वाधर हस्तांतरण में 10 फीसदी अंकों की तेज वृद्धि के रूप में हो, या 15वें वित्त आयोग द्वारा राजस्व घाटा अनुदानों को धीरे-धीरे समाप्त करने के रूप में। इस कसौटी पर, 16वां वित्त आयोग भी अपवाद नहीं है।

करों के राज्यों के बीच वितरण के लिए नए मानदंडों का राज्यों पर जो प्रभाव पड़ा है, वहीं 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के राजनीतिक अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण से वास्तविक निहितार्थ निहित हैं। किसी भी वित्त आयोग की सिफारिशें अनिवार्य रूप से देश की विकसित होती राजनीतिक अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत संदेश देती हैं। चाहे वह 14वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के लिए केंद्र के वितरण में 10 प्रतिशत अंकों की तेज वृद्धि के रूप में हो, या 15वें वित्त आयोग द्वारा राजस्व घाटा अनुदानों को धीरे-धीरे समाप्त करने के रूप में। इस कसौटी पर, 16वां वित्त आयोग भी अपवाद नहीं है।

याद रहे कि जब 16वां वित्त आयोग राज्यों के साथ संवाद कर रहा था, उस समय जिस राजनीतिक अर्थव्यवस्था की चर्चा हावी रही, वह दक्षिणी राज्यों की चिंता और असंतोष की थी। इन राज्यों ने यह जाहिर किया कि अपेक्षाकृत आर्थिक प्रगति के बावजूद उन्हें अनुचित व्यवहार मिला। आय की दूरी और जनसांख्यिकीय प्रदर्शन के मानदंड आर्थिक रूप से अधिक समृद्ध दक्षिणी राज्यों के खिलाफ थे। इसलिए इन राज्यों ने तर्क दिया कि उन्हें केंद्रीय करों के विभाज्य पूल में अपने हिस्से से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, केवल इसलिए कि वे वित्तीय और सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से अधिक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण रहे हैं।

इन सिफारिशों को सार्वजनिक हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत गया है। दक्षिण भारत के राज्य अब बीच करों के विभाजन को लेकर अनुचित रवैये की आलोचना नहीं कर रहे हैं। 16वें वित्त आयोग की अनुशंसा के मुताबिक 28 राज्यों में से आधे राज्यों को केंद्रीय करों में अधिक हिस्सेदारी मिल रही है। इनमें से करीब पांच राज्य जिनकी हिस्सेदारी बढ़ी है वे दक्षिण भारत से हैं। ये हैंः आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना। यकीनन अन्य राज्यों मसलन असम, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, मिजोरम, पंजाब और उत्तराखंड आदि को भी लाभ हुआ है। परंतु पांच दक्षिणी राज्यों का अपना हिस्सा बढ़ाना राजनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, खासकर उस बात के संदर्भ में जो सिफारिशें सार्वजनिक होने से पहले प्रचलित थी।

ध्यान दें कि आने वाले पांच साल में पांच उत्तरी राज्यों की केंद्रीय करों में हिस्सेदारी कम रहेगी। ये वे राज्य हैं जहां पिछले कुछ साल में भारतीय जनता पार्टी ने राजनीतिक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है। ये हैंः बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश। यह भी सही है कि जिन राज्यों को नुकसान हुआ है उनमें पश्चिम बंगाल के अलावा अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा शामिल हैं। परंतु यह भी अहम है कि भाजपा शासित गोवा और ओडिशा की केंद्रीय कर हिस्सेदारी भी कम हुई है।

दक्षिणी राज्यों को 16वें वित्त आयोग के उस निर्णय से कुछ लाभ हुआ है जिसमें उसने पूर्ववर्ती आयोग की व्यवस्था को लागू किया। यानी उन राज्यों के लिए राजस्व-घाटा अनुदानों को धीरे-धीरे समाप्त करना, जिनका राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच अंतर बना रहता है, भले ही उन्हें करों के वितरण के तहत केंद्रीय करों का हिस्सा मिल चुका हो। अप्रैल 2021 से मार्च 2026 के बीच केवल नौ राज्यों ने कुल राजस्व-घाटा अनुदानों (लगभग 2.95 लाख करोड़ रुपये) का 84 फीसदी से अधिक हिस्सा प्राप्त किया है। इस सूची में केवल दो दक्षिणी राज्य शामिल हैं केरल और आंध्र प्रदेश। राजस्व-घाटा अनुदानों की समाप्ति के साथ, स्पष्ट रूप से शेष सात राज्य इस निर्णय से अधिक प्रभावित होंगे। ये हैं पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, त्रिपुरा, असम और राजस्थान।

16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के राजनीतिक अर्थव्यवस्था संबंधी निहितार्थ बहुत स्पष्ट हैं। उत्तरी राज्यों, जिनमें से कई भाजपा-शासित हैं, ने केंद्रीय करों में अपना हिस्सा कम किया है, ठीक वैसे ही जैसे दक्षिणी राज्यों ने विभाज्य पूल में अपने हिस्से में वृद्धि की है। आर्थिक लाभों की इस खींचतान में दक्षिणी राज्य विजेता के रूप में उभरते दिखाई देते हैं। यह आगामी राजनीतिक सत्ता या चुनावी लाभ की लड़ाई के लिए क्या संकेत देता है?

अब जबकि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों ने दक्षिणी राज्यों की आर्थिक हानि की भावना को कम कर दिया है, क्या भाजपा-शासित केंद्र सरकार बहुचर्चित परिसीमन की ओर बढ़ेगी जिसमें एक कानूनी प्रक्रिया के तहत जनसंख्या में हुए बदलावों के आधार पर संसद और विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाता है?

वर्ष2002 में एक संविधान संशोधन ने निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को 2026 के बाद होने वाली पहली जनगणना के परिणाम उपलब्ध होने तक स्थगित कर दिया था। केंद्र सरकार जल्द ही नई जनगणना का कार्य शुरू करेगी, जो 2027 तक पूरी हो जानी चाहिए, और इससे परिसीमन प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त होगा। 2027 के बाद किया गया कोई भी परिसीमन उत्तरी राज्यों को अधिक चुनावी ताकत देगा, क्योंकि उनकी जनसंख्या दक्षिणी राज्यों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी है।

क्या परिसीमन के बाद उत्तरी राज्यों को अधिक चुनावी शक्ति देना अधिक प्रबंधनीय होगा, यह देखते हुए कि दक्षिणी राज्यों को केंद्रीय करों में अधिक हिस्सेदारी देकर अधिक आर्थिक शक्ति पहले ही दी जा चुकी है। यदि ऐसा होता है, तो 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों को केंद्र सरकार के लिए एक बड़े राजनीतिक अर्थव्यवस्था संबंधी चुनौती का समाधान माना जाएगा।

–धनंजय राजौरा

सुंदरकांड की चौपाईयों से होगा सात दिनी होली उत्सव का शुभारंभ

आज मातृशक्ति करेंगी होलिका का पूजन, रात 10 बजे विधिविधान से होगा दहन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में पांच दिनी होली पर्व इस वर्ष भी धूमधाम व उमंग के साथ मनाया जाएगा। जिसकी शुरूआत सुंदरकांड की चौपाईयों से होगा। इसके पूर्व आजाद चौक में होलिका सजाई जाएगी। जिसका नगर की प्रशासनिक, सामाजिक, धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय मातृशक्तियों द्वारा होलिका का पूजन किया जाएगा। इसके बाद रात्रि 10 बजे होलिका का दहन किया जाएगा। इसके बाद चंद्रशेखर आजाद होली उत्सव समिति द्वारा 8 मार्च तक नगर में प्रतिदिन सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सर्व हिन्दू उत्सव समिति मीडिया प्रभारी सुमित भावसार ने बताया कि आजाद चौक में होलिका सजाई जाएगी। जहां सोमवार शाम सात बजे कलेक्टर ऋजू बाफना, रेखा अरूण भीमावद, श्रद्धा नागर, एसडीएम मनीषा वास्कले, सीएम राईज विद्यालय प्राचार्य सविता सोनी, एमएलबी प्राचार्य पूनम त्रिवेदी सहित नगर की अन्य मातृशक्तियां आजाद चौक में होलिका का पूजन करेंगी। इसके बाद रात 8 बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। जिसमें सभी समाजों के प्रमुख मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। रात 10 बजे सर्व हिन्दू उत्सव समिति, होली उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ ही नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में विधि-विधान से होलिका का दहन किया जाएगा। इसके बाद होली उत्सव समिति द्वारा सात दिनों तक नगर में रंगारंग पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक व धार्मिक आयोजनों से भी नगरवासियों के साथ होली उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, होली उत्सव समिति संयोजक पं. गोविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा, सचिव अंकित अंबावतिया व सह संयोजक जीत पारछे ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

सात दिनों तक जारी रहेगी उल्लास व उमंग की परंपरा- मीडिया प्रभारी सुमित भावसार ने बताया कि होली पर्व में प्रतिदिन दोपहर में नगरवासी रंगों से सराबोर रहेंगे। वहीं शाम को नगर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों की प्रतिभा से मंच सजेगा। जिसमें 3 मार्च को सांई म्यूजिकल ग्रुप द्वारा होली के गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। 4 मार्च को इंदौर के जय श्री महाकाल आर्ट एवं डांस ग्रुप द्वारा श्री राधाकृष्ण फाग उत्सव की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन के तहत 5 मार्च को अखिलभ् भारतीय हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें नगर सहित आसपास के जिलों के प्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। आयोजन की इसी कड़ी में 6 मार्च को आजाद चौक में आर्केस्ट्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें देवास के यंग मेलोडियंस ग्रुप के कलाकार अपनी सुमधुर आवाज से नगरवासियों का मनोरंजन करेंगे। 7 मार्च को एक शाम सांवरिया सेठ के नाम भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें राजस्थान के आरआर म्यूजिकल ग्रुप के प्रसिद्ध कलाकार रोहित राजस्थानी भगवान सांवरिया सेठ के भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके बाद 8 मार्च रविवार को नगर में फाग यात्रा निकाली जाएगी। जो आजाद चौक, सोमवारिया, मगरिया, काछीवाड़ा होते हुए बस स्टैंड पहुंचेगी जहां फाग यात्रा का समापन होगा।

सविमं में हुआ शिशु वाटिका कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दुपाड़ा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में शनिवार को प्रांत की योजनानुसार शाजापुर विभाग अंतर्गत जिले का शिशु नगरी कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें जिले के 17 विद्यालयों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संतोष विश्वकर्मा, विभाग समन्वयक सुरेंद्र जोशी, विद्यालय संचालन समिति अध्यक्ष भंवरसिंह राठौड़, सचिव अजय पोल, शिशु वाटिका जिला संयोजक सोनिया बाजार, सीबीएसईं प्राचार्य राहुल देशमुख एवं एमपी बोर्ड प्राचार्य देवकरण शर्मा एवं ज्योति नगर के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर शर्मा मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता श्री विश्वकर्मा ने शिशु वाटिका की संकल्पना को सबके समक्ष विस्तार से रखते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित शिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आनंद शिशु के लिए प्रथम तत्व है। शिशुओं का लालन-पालन पंच तत्वों पर आधारित होना चाहिए। इस अवसर पर जिले के 17 विद्यालयों से विद्यार्थियों ने शिशु वाटिका शिक्षिकाएं एवं प्राचार्य प्रधानाचार्य एवं अभिभावक उपस्थित रहे। प्रत्येक विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीयता के रंग से सराबोर नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। वही शिशु वाटिका की 12 शैक्षिक व्यवस्था की प्रदर्शनी एव भैया बहिनों द्वारा हस्तनिर्मित खाद्य व्यंजनों का बाल मेला आकर्षण का केंद्र रहा। संचालन संगीता पाटीदार ने किया एवं आभार सुमन पाटीदार ने माना।

गाड़ी निकालने की बात पर टोल कर्मचारी से की मारपीट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रोजवासा टोल प्लाजा पर रविवार को टोल कर्मचारी से मारपीट का मामला सामने आया है। यह टोल प्लाजा शाजापुर जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित है। घटना रविवार दोपहर करीब 11 से 12 बजे के बीच हुई। यह पूरी घटना टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। अस्पताल पुलिस चौकी पर प्रधान आरक्षक पदम सिंह ने घायल विनोद सिंह के बयान दर्ज किए हैं। घायल के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई के लिए मामला उज्जैन जिले के तराना थाना भेजा जाएगा। बताया जाता है कि कुछ लोग टोल प्लाजा से अपनी गाड़ी निकालने को लेकर कर्मचारियों से बहस करने लगे। बात बढ़ते-बढ़ते विवाद में मारपीट में बदल गया और 7 से 8 लोगों ने मिलकर टोल कर्मचारी विनोद के साथ मारपीट शुरू कर दी। जिससे विनोद के सिर और आंख में चोट आई है। घटना के बाद टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। हंगामा बढ़ता देख आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है।

संगठन की मजबूती और पंच परिवर्तन पर हुवा मंथन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा-अभियान के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं की वैचारिक स्पष्टता, तकनीकी दक्षता और आगामी संगठनात्मक चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार करना रहा। कार्यक्रम में संभाग और जिले के शीर्ष पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं को पंच परिवर्तन और राष्ट्रहित के संकल्पों पर मार्गदर्शन दिया।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की पाठशाला है। उन्होंने जोर देकर कहा, प्रशिक्षण के माध्यम से ही कार्यकर्ता पार्टी की मूल रीति-नीति और सिद्धांतों को आत्मसात कर सकता है। जब हमारा कार्यकर्ता वैचारिक रूप से संपन्न होगा, तभी वह भारत माता को परम वैभव पर ले जाने के संकल्प को सिद्ध कर पाएगा। संभाग प्रभारी राजीव खण्डेलवाल ने कहा कि राजनीति के बदलते दौर में कार्यकर्ताओं का अपग्रेड होना अनिवार्य है। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दरसिंह परमार ने कहा कि कार्यकर्ताओं में संवाद और प्रशिक्षण कितना आवश्यक है। वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए प्रशिक्षण की अत्यंत आवश्यकताहै यह प्रक्रिया संगठन मैं चलती रहती है। नए कार्यकर्ताओं के निर्माण और नए नेतृत्व को तैयार करने के लिए प्रशिक्षण की धार आवश्यक है। अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता और निष्ठा की प्रगाढता के लिए लगातार प्रशिक्षण प्राप्त करना आवश्यक है। हमारी विरासत कार्यकर्ताओं को सौंपने के लिए नए पदाधिकारियों को हमारी पार्टी की रीति नीति और सिद्धांतों को समझने के लिए प्रशिक्षण वर्ग एक सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम को संभाग प्रभारी प्रभूलाल जाटव, विधायक अरूण भीमावद, कालापीपल विधायक घनश्याम चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर संभागीय प्रभारी लता वानखेड़े, प्रदेश मंत्री बबीता परमार, क्षितिज भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसौदिया, रायसिंह मालवीय, विजय बैस, उमेश टेलर, आदि उपस्थित थे।

भावसार बने प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नमामि नर्मदा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. हरीश उनियाल की अनुशंसा पर संघ का प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जेपी भावसार को बनाया गया। श्री भावसार विगत 25 वर्षों से मां नर्मदा की सेवा में सक्रिय रूप से कार्यरत है। नमामि नर्मदा संघ एक राष्ट्रव्यापी संस्था होकर नर्मदा नदी सहित भारत देश की नदियों के संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता के लिए समर्पित है। यह संस्था स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, सामाजिक उत्थान और ष्हरित तीर्थ यात्रा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से प्रकृति की रक्षा और नदी पुनर्जीवन के लिए सतत रूप से सक्रिय है। इसके साथ ही संस्था द्वारा अन्य सामाजिक कार्यों में भी सेवा देती आई है। श्री भावसार के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर मां नर्मदा सेवा से जुड़े धार्मिक संगठन ओर इष्ट मित्रो में हर्ष व्यक्त करते हुए इन्हें शुभकामनाएं दी है।

बदमाशों ने की कांग्रेस नेता के पुत्र की पिटाई, हजारों रूपए छीने

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस नेता के बेटे को हमला कर लूट लिया गया। आरोप है कि ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष के बेटे और परिजन ने घटना को अंजाम दिया। कोतवाली पुलिस ने रविवार को शिकायत मिलने के बाद पांच युवकों के खिलाफ लूट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1.30 बजे गांधी हाल के पास हुई। फरियादी कैफ पुत्र इमरान खान ने शिकायत दर्ज कराई है। कैफ अपने दो दोस्त फैजान खान और हमजा खान के साथ सहज पब्लिक स्कूल के पास बने टर्फ से क्रिकेट मैच खेलकर मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। गांधी हाल के पास सड़क पर कैफ पिता शकील वारसी, अर्थ पुत्र अकिल वारसी, अलफ पिता मकसूद खान, अमन पिता करीम खान सभी निवासी कमरदीपुरा और अनस निवासी मुगलपुरा खड़े थे। उन्होंने मोटरसाइकिल रोकी। कैफ वारसी ने कैफ की पीठ पर लोहे का पाइप मारा। इसी दौरान अलफ ने कैफ की जेब से पर्स छीन लिया। पर्स में 4200 रुपये और आधार था। आरोपियों ने मोबाइल छीनने का भी प्रयास किया, जिससे वह गिरकर टूट गया। इसके बाद चाकू निकालकर जान से मारने की कोशिश की, लेकिन कैफ और उसके दोस्त ने भागकर जान बचाई। घर पहुंचकर कैफ ने परिजनों को घटना बताई। अपने पिता के साथ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया।

होली व रमजान से पहले पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में की गश्त

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली और रमजान के त्योहारों के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने रविवार को शहर में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार शाम करीब 5 बजे शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया।

यह फ्लैग मार्च पुलिस लाइन से शुरू होकर फव्वारा क्षेत्र, नई सड़क, आजाद चौक, छोटा चौक, सोमवारिया बाजार और मगरिया होते हुए पुनः पुलिस लाइन पहुंचा। इस दौरान एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी घनश्याम मालवीय, एसडीओपी अजय मिश्रा और टीआई ने पुलिस बल का नेतृत्व किया। फ्लैग मार्च में लगभग 250 पुलिसकर्मी शामिल हुए। उन्होंने प्रमुख मार्गों और बाजार क्षेत्रों में पैदल मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से शांति बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। एसपी श्री राजपूत ने बताया कि त्योहारों के दौरान शहर के सभी संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। कानून-व्यवस्था भंग करने या माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिविर के माध्यम से पुलिसकर्मियों को कराया ध्यान व तनाव मुक्ति का अभ्यास

यातायात थाने में हुआ योग शिविर का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात पुलिस थाने में रविवार सुबह तनाव मुक्ति और ध्यान योग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में यातायात पुलिस के जवानों, अधिकारियों और एडीपीओ (अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी) ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने ध्यान साधना के माध्यम से मानसिक शांति का अभ्यास किया।

यातायात थाने पर पदस्थ एसआई रविशंकर वर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रखने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया था। यह आयोजन मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस विभाग और हार्टफुलनेस संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। ऐसे ध्यान एवं तनाव मुक्ति शिविर प्रत्येक रविवार को आयोजित किए जाते हैं। वर्मा ने बताया कि पुलिस की ड्यूटी अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण और चुनौतीपूर्ण होती है, जिससे मानसिक दबाव बढ़ता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे में ध्यान और योग के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा, एकाग्रता और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। शिविर में उपस्थित पुलिसकर्मियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से पुलिस बल में कार्यक्षमता बढ़ेगी और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। जिले के अन्य थानों में भी नियमित रूप से ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

होली एक उसमें समाये भाव अनेक - साध्वी रेणुका देवी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जाता हुआ बसंत, आती हुई ग्रीष्म की आहटें और इनके बीच भीनी-भीनी सी महक लिए, रंगों से भीगती और भिगोती होली। फाल्गुन महीने का यह महोत्सव हर साल हमारे दिलों को जोड़ने आता है। तरह-तरह के रंग-गुलाल हमारे तन मन को, हम सब के संपूर्ण जीवन को अनगिनत भावनाओं से सराबोर कर देते हैं। फाल्गुन का महीना आते ही अंतर्मन में रंगों के बादल घिरने लगते हैं। खेतों व गांवों की माटी अबीर बन जाती है, हमारे सपने गुलाल बन जाते हैं। माथे पर सजे अनुराग चिन्ह को लेकर हम जिधर से निकल पड़ते हैं, फाल्गुन साकार हो उठता है। प्रकृति ने मनुष्य को कई सौगातें दी है। उन्हीं में से ऋतुएं और मौसम भी है। त्यौहार ऋतुओं से गुंथे हैं और ऋतुएं फसलों से। खेतों में सरसों के फूल है, हर ओर पीलेपन की बहार है और उस खिले हुए पलाश के लाल रंग की फुहार।

मैथिलीशरण गुप्ता मानववादी, नैतिक और सांस्कृतिक काव्यधारा के विशिष्ट कवि थे

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की स्मृति में व्याख्यान एवं रचनापाठ सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग का राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की स्मृति में व्याख्यान एवं रचनापाठ का गरिमामय आयोजन साहित्य अकादमी से जुड़े राकेशसिंह के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम समन्वयक साहित्यकार मेहरबान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य अतिथि नर्मदा साहित्य पर विश्व संवाद केन्द्र के लब्ध प्रतिष्ठित चिन्तक जयशंकर शर्मा, प्रो. एस.एन.त्रिवेदी व शिक्षाविद विजय श्रीवास्तव, पूर्व न्यायाधीश आर.पी.सोलंकी थे।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र व्याख्यान में मुख्य वक्ता जयशंकर शर्मा ने कहा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हिन्दी साहित्य के इतिहास में खड़ी बोली के प्रथम महत्त्वपूर्ण कवि हैं। उन्हें साहित्य जगत में दद्दा नाम से सम्बोधित किया जाता था। उनकी कृति भारत-भारती (1912) भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के समय में काफी प्रभावशाली सिद्ध हुई थी और इसी कारण महात्मा गांधी ने उन्हें राष्ट्रकवि की पद्वी भी दी थी। उनकी जयन्ती 3 अगस्त को हर वर्ष कवि दिवस के रूप में मनाया जाता है। महावीर प्रसाद द्विवेदी की प्रेरणा से गुप्तजी ने खड़ी बोली को अपनी रचनाओं का माध्यम बनाया और अपनी कविता के द्वारा खड़ी बोली को एक काव्य-भाषा के रूप में निर्मित करने में अथक प्रयास किया। पवित्रता, नैतिकता और परंपरागत मानवीय सम्बन्धों की रक्षा गुप्त जी के काव्य के प्रथम गुण हैं, जो पंचवटी से लेकर जयद्रथ वध, यशोधरा और साकेत तक में प्रतिष्ठित एवं प्रतिफलित हुए हैं। साकेत उनकी रचना का सर्वोच्च शिखर है।

वालपुर के ऐतिहासिक भौंगर्या हाट में देवास के युवाओं ने जाना आदिवासी संस्कृति का वैभव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के राजकीय पर्व भौंगर्या की धूम इन दिनों पूरे चरम पर है। इसी क्रम में आलीराजपुर जिले के ऐतिहासिक वालपुर भौंगर्या हाट में देवास से गए युवाओं के एक दल ने शिरकत की। मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की सीमाओं के संगम पर मां नर्मदा की गोद में बसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गाँव वालपुर में आयोजित इस विश्व प्रसिद्ध हाट में युवाओं ने आदिवासी लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा और मांदल की थाप पर होने वाले नृत्य का प्रत्यक्ष अनुभव किया।

भ्रांतियों का किया खंडन- हाट में शामिल हुए सामाजिक कार्यकर्ता राकेश देवड़े बिरसावादी ने बताया कि आधुनिकता के दौर में अपनी जड़ों और लोक परंपराओं को समझना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भौंगर्या हाट के बारे में समाज में कई भ्रांतियां फैलाई गई हैं, जबकि धरातल पर वास्तविकता इसके विपरीत है। इस शुद्ध सामाजिक भौंगर्या हाट को आदिवासियों का वैलेंटाइन डे या प्रणय पर्व कहना पूरी तरह गलत और तर्कहीन है। श्री देवड़े ने स्पष्ट किया कि आदिवासी समाज में रीति-रिवाजों का पालन बहुत कड़ाई से होता है। विवाह के लिए युवक-युवती के गौत्र का मिलान अनिवार्य है; समान गौत्र, माता, माता की माता या पिता की माता के गौत्र में विवाह पूर्णतः वर्जित होता है। इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि होली का डांडा गड़ने से लेकर अखातीज तक आदिवासी समाज में विवाह जैसे कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।

बृहन्महाराष्ट्र मंडल के 74वें अधिवेशन के दूसरे दिन बही संगीत और साहित्य की सरिता

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराष्ट्र समाज, देवास के आतिथ्य में आयोजित बृहन्महाराष्ट्र मंडल के 74वें वार्षिक अधिवेशन का द्वितीय दिवस (शनिवार, 28 फरवरी) कला, संस्कृति और वैचारिक विमर्श के नाम रहा। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने शिरकत की, जिससे देवास में लघु भारत का दृश्य जीवंत हो उठा।

अधिवेशन के जनसंपर्क प्रभारी उदय टाकलकर, अतुल मद्धव एवं शिरीष खड़ीकर ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि अधिवेशन के दूसरे दिन की शुरुआत प्रातः 08 बजे मालवा की सुप्रसिद्ध निर्गुणी गायकी के साथ हुई। निर्मल निर्गुण से भक्तिमय हुई सुबह का आगाज़ पंडित कुमार गंधर्व की संगीत परंपरा को आगे बढ़ा रहे कुमार गंधर्व के पौत्र एवं पंडित मुकुल शिवपुत्र के सुपुत्र पंडित भुवनेश कोमकली ने निर्मल निर्गुण कार्यक्रम के माध्यम से भजनों की सुमधुर प्रस्तुति देकर किया। उनके शास्त्रीय गायन और निर्गुणी पदों ने श्रोताओं को आत्मिक शांति का अनुभव कराया।

सुबह के सत्र में खरगोन के विद्वान व्याख्याता दिलीप कर्पे ने श्री रामाच्या पाऊलवाटेवर... विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रभु राम के जीवन के अनछुए पहलुओं को साझा किया।

इसके पश्चात औपचारिक उद्घाटन पूर्व लोकसभा स्पीकर एवं 9 बार इंदौर की सांसद रहीं सुमित्रा महाजन (ताई) के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विख्यात रंगकर्मी अशोक समेळ, मण्डल अध्यक्ष मिलिंद महाजन, मण्डल के प्रधान कार्यवाह दिलीप कुंभोजकर, मंडल के उपाध्यक्ष शेखर आमीन, समाज अध्यक्ष दीपक कर्पे एवं महिला उपाध्यक्ष पूनम कुलकर्णी मंचासीन रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया इस अवसर पर सरस्वती शिशुमंदिर भोंसले कॉलोनी की छात्राओं द्वारा मनमोहक सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। आयोजक महाराष्ट्र समाज, देवास की ओर से अतिथियों का स्वागत कार्यकारिणी सदस्य भूषण अत्रे, कार्याध्यक्ष उदय टाकलकर, कोषाध्यक्ष निलिंद म्हाडगुत , समाज प्रबंधक सदाशिव जोशी आदि ने किया गया। अपने उद्बोधन में सुमित्रा ताई ने अहिल्याबाई से लेकर समाज के लिए विशिष्ट कार्य करने वाली अनेक महिलाओं का वर्णन किया एवं प्रत्येक महाराष्ट्रीयन परिवार से एक व्यक्ति समाज को कुछ विशिष्ट उपहार प्रदान करें ऐसी अपील भी की।

शुभारंभ के अवसर पर देवास की लेखिका एवं कवि सुश्री ऋचा कर्पे द्वारा लिखित पुस्तक शेवटी संवाद महत्वाचा एवं पलाश सृजन द्वारा संकलित मध्यप्रदेश की मराठी भाषी स्वयंसिद्धाएं पुस्तकों का विमोचन एक बेहद गरिमामयी कार्यक्रम में किया।

दोपहर के सत्र में साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष आयोजन हुए- काव्य संगम- अधिवेशन के इस महत्वपूर्ण सत्र में मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए कवियों श्रेयस गोखले (उज्जैन), अंतरा करवडे (इंदौर), ऋचा कर्पे (देवास) और विवेक सावरीकर (भोपाल)ने अपनी रचनाओं से वर्तमान परिवेश और सांस्कृतिक मूल्यों को रेखांकित किया।

मुक्त संवाद- आकाशवाणी पणजी की श्रुति हजारे ने अशोक समेळ और स्वानंद किरकिरे के साथ साक्षात्कार किया। इस संवाद में स्वानंद जी ने अपने फिल्मी सफर और समेळ जी ने रंगमंच के अनुभवों को साझा किया।

शाम को निकली भव्य मराठी गौरव शोभायात्रा

अधिवेशन के दूसरे दिन का मुख्य आकर्षण शाम 05 बजे निकली मराठी गौरव शोभायात्रा रही। यह यात्रा मुख्य अधिवेशन स्थल मंडी व्यापारी धर्मशाला से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई महाराष्ट्र समाज, देवास पहुँची। अधिवेशन के दूसरे दिवस का समापन सत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। शाम 07 बजे से महाराष्ट्र समाज, देवास के राजकवि गोविंदराव झोकरकर स्मृति सभागृह में भक्तिरंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष संगीतमय सभा में सुप्रसिद्ध युवा गायक और सुपरस्टार छोटे उस्ताद के विजेता कुमार राजयोग धुरी (मुंबई)ने अपनी गायकी का जादू बिखेरा। पंडित अजीत कडकड़े के सुशिष्य राजयोग धुरी ने संतों के अभंग, विराण्या और भक्ति गीतों की ऐसी श्रृंखला प्रस्तुत की, जिससे पूरा सभागार सात्विक आनंद से भर उठा। संगत कलाकार हारमोनियम-प्रवीण बांदकर, पखावज-प्रथमेश तारळकर, तबला-रामकृष्ण करंबेळकर, साइड रिदम-निर्गुण खोचे थे। कार्यक्रम के प्रातःकालीन सत्र का प्रारंभिक संचालन प्रेरणा दीवान तथा अन्य सत्रों का संचालन समाज की सचिव वृषाली आप्टे के साथ अंतिम कार्यक्रम का ओजस्वी और रसाळ शैली में सूत्र संचालन पणजी दूरदर्शन की प्रसिद्ध निवेदिका श्रुति हजारे द्वारा किया गया। उनकी धाराप्रवाह मराठी भाषा और प्रस्तुति ने कार्यक्रम के भक्ति रस से सराबोर कर दिया। अंत में आभार प्रदर्शन समाज अध्यक्ष दीपक कर्पे ने व्यक्त किया।

अग्रवाल महिला मंडल की महिलाओं ने फाग उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अग्रवाल समाज की महिला मंडल ने समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल के नेतृत्व में गुरुवार को स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में रंग रंगीला फाग उत्सव का भव्य आयोजन किया गया एवं महिलाओं ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ दी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय अग्रवाल (जिला अध्यक्ष भाजपा उज्जैन) की धर्मपत्नी श्रीमती वीना अग्रवाल उपस्थित रही।

अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर वर्ष बसंत पंचमी के बाद फाल्गुन मास की शुरुआत होती है, जो भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित माना जाता है. इसलिए फाग में होली का पर्व विशेष उल्लास के साथ मनाया जाता है. मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने राधाजी और गोपियों के साथ होली खेलकर रासलीला की थी, तभी से फाग महोत्सव की परंपरा चली आ रही है। फूलों एवं गुलाल की होली में उपस्थित सभी महिलाओं ने एक दूसरे को फूलों एवं गुलाल से सरोबार किया वहीं राधा कृष्ण के मनमोहक नृत्य ने पारंपरिक फाग की सुंदरता को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में भगवान कृष्ण की भूमिका बरखा गर्ग ने निभाई जबकि राधा रानी के रूप में सुनीता गर्ग ने आकर्षक प्रस्तुति दी दोनों की प्रस्तुति को अतिथियों एवं महिलाओं ने बहुत सराहा। कार्यक्रम में अन्य सांस्कृतिक रंगारंग चंग के साथ धमाल की प्रस्तुतियां भी आयोजित की गई महिलाओं में फाग महोत्सव में उत्सवपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भजनों पर जमकर झूमें पूरे परिसर में रंग उत्सव और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम का संचालन राजस्थानी भाषा में मिक्की अग्रवाल और ललिता मोहता ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित अग्रवाल समाज के दीपक गर्ग,मुकेश मोहता, ललित गनेरीवाल और काफी संख्या में समाज की महिलाएं उपस्थित रही। अंत में आभार कार्यक्रम संयोजक लता खेतान ने माना।

मालवांचल ज्वेलर्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.)का हाई-प्रोफाइल व्यापारी जागरूकता सम्मेलन बदनावर में संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवांचल ज्वेलर्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) द्वारा आयोजित वर्ष 2026 का वार्षिक पारिवारिक व्यापारी मिलन एवं जागरूकता सम्मेलन निजी गार्डन बदनावर में गरिमामय एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुआ।

आयोजन में कुक्षी, टांडा, बदनावर, धार, गंधवानी, राजोद, लाबरिया, कानवन, बरमंडल, नागदा एवं कड़ौद क्षेत्र से पधारे स्वर्ण एवं आभूषण व्यापारियों की सशक्त सहभागिता रही।

सम्मेलन एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हेमंत कुमार सोनी एवं सचिव श्री शैलेन्द्र कुमार सोनी की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसमें व्यापारिक जागरूकता, संगठनात्मक सहयोग एवं आधुनिक व्यापार प्रणाली पर केंद्रित सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम में श्री अरविंद सिंह जी तोमर एवं श्री सुरेश जी नागर ने अपने उद्बोधन में व्यापारिक अनुशासन एवं प्रशासनिक समन्वय पर प्रकाश डाला।

वहीं श्री सुनील जी दौराया ने व्यापार को सुगम, सुरक्षित एवं मानक आधारित बनाने के व्यावहारिक पहलुओं को प्रभावी ढंग से स्पष्ट किया, श्री संतोष जी सराफ द्वारा अनुसूचि क्षेत्रों में लाइसेंस कैसे लिए जाएंगे एवं उसकी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को सौहार्दपूर्ण स्वरूप प्रदान किया। समापन अवसर पर एसोसिएशन द्वारा सभी अतिथियों एवं व्यापारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर संगोष्ठी, एआई और महिला वैज्ञानिकों की भूमिका पर विशेष जोर

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस विदिशा में विज्ञान संकाय के तत्वावधान में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती वनिता वाजपेई द्वारा किया गया।उन्होंने महान भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन के विज्ञान के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला और उनके अनुसंधानों से मिली प्रेरणा को वर्तमान संदर्भ में रेखांकित किया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए उसके सदुपयोग और दुरुपयोग दोनों पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। साथ ही विज्ञान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करते हुए विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ. आर. के. भीमटे द्वारा किया गया। उन्होंने हाल ही में भारत में आयोजित राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मिट के निष्कर्षों का उल्लेख करते हुए प्रत्यक्ष उदाहरणों के माध्यम से एआई के व्यापक प्रभाव को स्पष्ट किया।

वर्ष 2026 की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम- विज्ञान में महिलाएं रू विकसित भारत को गति देने वाली पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका और उनके उल्लेखनीय योगदान को रेखांकित किया गया। विभिन्न भारतीय महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का स्मरण करते हुए यह संदेश दिया गया कि विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को और अधिक सशक्त करना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. वनिता वाजपेई के प्राचार्य पद पर सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण करने पर उन्हें बधाई दी गई तथा विज्ञान संकाय के प्रति उनके सकारात्मक सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

समापन अवसर पर महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अजय सिंह हजारी द्वारा विज्ञान विषयक प्रेरणादायी गीत की प्रस्तुति दी गई, जिससे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण वातावरण का संचार हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षा में पूज्य संत श्री 1008 नर्मदानंद जी बापू का आगमन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया विकासखंड शाजापुर, में जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के प्रति रविवार को आयोजित कक्षा में मां नर्मदा के वरदपुत्र, पूज्य संत श्री 1008 नर्मदानंद जी बापू का शुभागमन हुआ।पूज्य बापू के आगमन से उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं अन्य सदस्यों को उनके प्रेरणादायी उपदेशों की अमृतवर्षा प्राप्त हुई। ब्लॉक समन्वयक श्री बसंत रावत द्वारा छात्रों को नवीन अनुभव एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से शाजापुर के ग्राम पतोली स्थित नित्यानंद आश्रम में अल्प प्रवास पर पधारे गुरुदेव से कक्षा में आगमन हेतु निवेदन किया गया, जिसे गुरुदेव द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया।

इसके उपरांत शाजापुर स्थित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में आयोजित कक्षा स्थल तक छात्रों द्वारा पूरे मार्ग में रंगोली सजाई गई एवं पुष्पवर्षा कर गुरुदेव का भव्य स्वागत किया गया। सरस्वती पूजन के पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा पूज्य बापू के चरण पखारे गए।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर द्वारा गुरुदेव को पुष्पमाला एवं अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात परिषद के परामर्शदाता द्वारा गुरुदेव को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए ब्लॉक समन्वयक श्री बसंत रावत ने बताया कि गुरुदेव के सानिध्य में नर्मदा सेवा यात्रा निकाली गई थी, तभी से निरंतर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। साथ ही जन अभियान परिषद, ब्लॉक शाजापुर द्वारा किए जा रहे कार्यों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात जिला समन्वयक श्री विष्णु प्रसाद नागर द्वारा गुरुदेव के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि पूज्यनीय द्वारा भारत भ्रमण, मां नर्मदा की पदयात्रा तथा जन अभियान परिषद के कार्यों को समय-समय पर नई दिशा एवं प्रेरणा प्रदान की जाती रही है। उन्होंने इसे परिषद के लिए सौभाग्य का विषय बताया।

गुरुदेव का उद्बोधन- पूज्य संत श्री 1008 नर्मदानंद जी बापू ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं। परिषद द्वारा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में किए गए कार्यों का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने सभी से संकल्प लेने का आह्वान किया कि पौधारोपण के माध्यम से मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्य बनाया जाएगा।

साथ ही गुरुदेव ने सनातन धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा धर्म अत्यंत प्राचीन है और उसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। आपसी वैमनस्य एवं भेदभाव के दुष्परिणामों से बचने हेतु उन्होंने जाति-पाति से ऊपर उठकर एकजुट रहने का संदेश देते हुए जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई का नारा दिया। उन्होंने जन अभियान परिषद के कार्यक्रमों में निरंतर सहभागिता एवं जनजागरूकता हेतु प्रेरणा देने की बात भी कही।

उपस्थित गणमान्यजन- कार्यक्रम में गुरुदेव के साथ उनके शिष्य पूज्य भूमिक जी महाराज, दरबार जी चावड़ा, जन अभियान परिषद के परामर्शदाता बहादुर सोलंकी, महेंद्र वर्मा, मनोज श्रोती, चेतना नागर उपस्थित रहे।

नवांकुर संस्थाओं से कंचन वेल्फेयर सोसायटी की श्रीमती गायत्री वर्मा, दीप मानस से घनश्याम नागर, अभिमत विचार मंच से श्री भूपेन्द्र जी सहगल, अन्य अतिथियों में विकेश शर्मा, राय सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री बसंत रावत द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्री महेंद्र वर्मा द्वारा किया गया।

पुलिस प्रशासन ने ली होलिका उत्सव समितियो की बैठक, 18 स्थानों पर होगा होलिका दहन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार की दोपहर 1 बजे सोयत रोड़ स्थित पुलिस थाने पर एसडीओपी देवनारायण यादव व थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस की उपस्थिति में होलिका उत्सव समितियों की बैठक सम्पन्न हुई। प्रशासन ने सभी से अपील की है कि त्योहार को आपसी सौहार्द और सुरक्षा नियमों के साथ मनाएं। साथ ही प्रशासन की गाइड लाइन व आवश्यक दिशा निर्देशों से भी अवगत कराया। इस बार नगर में 18 सार्वजनिक स्थानों पर होलिका दहन होगा। इन सभी जगहों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहेगा। पुलिस प्रशासन ने शांति व सुरक्षा के बीच परम्परा का निर्वहन करने की अपील की है। बैठक में होलिका उत्सव समिति सुसनेर की ओर से मार्केटिंग अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह काँवल, सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु भावसार, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, पार्षद प्रतिनिधि युगलकिशोर परमार सहित नगर की विभिन्न होलिका उत्सव समिति के सदस्य उपस्थित थे।

सांवराजी मंदिर के पास पेटलावद रोड पर सुबह एक सड़क दुर्घटना के बाद मारपीट और लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांवराजी मंदिर के पास पेटलावद रोड पर सुबह एक सड़क दुर्घटना के बाद मारपीट और लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई। 28 फरवरी 2026 को सुबह करीब 11 बजे सुरेश सिंह कुशवाह अहमदाबाद बलेनो कार से सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई, जिससे मोटरसाइकिल का एडीगेटर क्षतिग्रस्त हो गया।

कार चालक द्वारा वाहन रोकते ही वहां मौजूद पांच व्यक्तियों ने अचानक सुरेश सिंह कुशवाह के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पुत्र विवेक और बहू रानी के साथ भी आरोपियों ने धक्का-मुक्की और मारपीट की। इसी दौरान आरोपियों ने सुरेश सिंह के गले से करीब तीन तोले वजनी सोने की चैन लूट ली और मौके से फरार हो गए।

थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाहा ने बताया कि थाना बदनावर में अपराध क्रमांक 90/2026 धारा 310(2), 115(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर तत्काल जांच प्रारंभ की गई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों प्रभाकर उर्फ अंशु दुबे (निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बदनावर), हरिओम गामड़ (निवासी भारारूंडी), दिनेश मुनिया (निवासी भारारूंडी), विनोद मुनिया (निवासी चंदवाड़िया कला) एवं सीताराम मकवाना (निवासी चंदवाड़िया कला) को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की चैन भी बरामद कर ली गई है।

चंद घंटों में लूट का पर्दाफाश करने में थाना बदनावर के उपनिरीक्षक शंकरलाल मकवाना, सहायक उपनिरीक्षक प्रहलाद सिंह वोरा, सहायक उपनिरीक्षक राजेश हाड़ा, आरक्षक संजय कुमार, आरक्षक मनीष राठौर, आरक्षक रितेश राजावत एवं आरक्षक हरिमोहन त्यागी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है और कानून-व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

जिला अध्यक्ष डॉ गेहलोत ने लिया बाबा श्याम का आशीर्वाद

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया वरिष्ठ समाजसेवी एवं श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुशील कुमार गेहलोत ने शुक्रवार को फाल्गुन माह की रंगभरी आमलकी एकादशी के अवसर पर कालापीपल पहुंचकर कालापीपल नरेश खाटू श्याम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं मंदिर समिति को 11000 हजार की सहयोग राशि प्रदान की।

लड्डू मार होली में झूमी महिलाये फाग गीतों पर बिखरा रंग गुलाल

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगीतमय होली के गीतों पर सुंदर प्रस्तुति के साथ हनुमान जी एव राधा कृष्ण के रोल ने अद्भुत समा बांधा इनके द्वारा दी गई प्रस्तुति पर भी श्रद्धालुजन भी झुम उठे उक्त फाग उत्सव श्री राघवेंद्र वल्लभ व्यास गुरु जी के सानिध्य में 1 मार्च रविवार को बिरलाग्राम स्थति श्री गणेश मंदिर मे दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक आयोजन सम्पन्न हुआ जिसका मुख्य आकर्षण का केंद्र लड्डू मार होली था हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरु जी ने लड्डू, रंग गुलाल ,अबीर के साथ भक्तजनो को होली खेलाई संयोजक राहुल शर्मा,मीना अग्रवाल ने बताया कि फाग महोत्सव में बड़ी सख्या में धर्मप्रेमी जनता उपस्थित रही विशेषकर महिलाये, पुरुष एव बच्चो की उपस्थित काफी तादाद मे थी जो पुरे फाग उत्सव में चल रहे भजनो पर झुमते रहे

गुरुजी ने करा सम्मान - फाग उत्सव के लाभार्थी एव कई समाजिक संगठनो के सदस्यो का गुरु जी द्वारा सम्मान भी फाग उत्सव के दोरान किया गया जिसमे ओम जी पुजारी, राजेन्द्र सोंलकी, लडडु के लाभार्थी नरेन्द्र पोरवाल, ठंडाई के सुनील अग्रवाल, अभीजीत, साउड के कमल जैन, बसंत मालपानी,रमेश पाल,रवि चौहान,अनिल शर्मा,कमल जेन,राजेश सकलेचा,दीपक जेन,राजा करणावत, सुरेश उपाध्याय, सिद्धानाथ पाठक,अंकित सेठिया,मनीष शर्मा,प्रसन्ना,अनिल प्रजापत,राजू जोशी, राजू महेश्वरी,डा सुरेंद्र मीना, हेमलता तोमर,सुनीता गुजर,अन्नपूर्णा शर्मा, विनीता तिवारी, अनीता कल्पना सोलकी आदि का दुप्पटा उड़ाकर सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन सकलेचा एव सुन्दरलाल जोशी ने किया राघवेन्द्र गुरुजी ने सभी भक्तो का आभार माना।

गौकाष्ठ व उपलों से होगा होलिका दहन, पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले में होली पर्व को पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के संदेश के साथ मनाए जाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा विशेष पहल की जा रही है उनके द्वारा जारी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन कराया जा रहा है। इस वर्ष नागरिकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ एवं उपलों का उपयोग किया जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 - जिले के 5 प्रतिभागी राज्य स्तरीय मंच के लिए चयनित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन उत्साह, अनुशासन और लोकतांत्रिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना तथा मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्वावधान में सम्राट अशोक टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, विदिशा में किया गया था।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत कुमारी मधु कॉल एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिलेभर से 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लोकतांत्रिक विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन- प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पांच युवाओं का चयन राज्य स्तरीय यूथ पार्लियामेंट हेतु किया गया। उनमें प्रथम स्थान रूद्रेश रघुवंशी,द्वितीय स्थान स्वाति तिवारी,तृतीय स्थान गौरव बिरूरकर,चतुर्थ स्थान शिवानी खाती,पंचम स्थान धनंजय दुबे ने हासिल किया है।

चयनित प्रतिभागी राज्य स्तरीय विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट-2026 में सहभागिता करेंगे। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को राष्ट्रीय संसद में अपनी बात रखने का अवसर प्राप्त होगा।

अतिथियों के प्रेरक उद्बोधन- जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि यूथ पार्लियामेंट केवल भाषण प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं की विचारशक्ति, लोकतांत्रिक समझ और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच है। ÷विकसित भारत÷ का सपना तभी साकार होगा, जब युवा संविधान के मूल्यों को आत्मसात कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सक्रिय भूमिका निभाएँगे।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा ने कहा कि यह आयोजन आपातकाल के 50 वर्ष एवं भारतीय लोकतंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर युवाओं को अपनी समझ विकसित करने का अवसर देता है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना एवं संस्था को सफल आयोजन हेतु बधाई दी।

संस्था के प्राचार्य डॉ. नवीन गोयल ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का सम्मान बुके एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

जिला युवा अधिकारी श्रीमती आकांक्षा महावरिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह आयोजन देश के 757 जिलों में आयोजित किया जा रहा है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, भाग्यनगर तेलंगाना में तृतीय दिवस के दशम सत्र में मालवा के राजेंद्र पालीवाल को मिला कोषाध्यक्ष का दायित्व

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अखिल भारतीय अध्यक्ष मा साईं रेड्डी महामंत्री श्री मोहिनी मोहनजी मिश्रा मंचासिन रहे। अखिल भारतीय अध्यक्ष साइ रेड्डी जी ने अपने कार्यकारिणी में श्री राजेंद्र पालीवाल को अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष का दायित्व सोपा आप पहले भी ऐसा कोषाध्यक्ष का दायित्व निर्व कर चुके हैंभारतीय किसान संघ मालवा प्रांत के महामंत्री श्री रमेश जी दांगी द्वारा प्रांत का वृत्त प्रस्तुत किया गया ।

उन्होंने बताया कि मालवा प्रांत से 27 कार्यकर्ता अपेक्षित थे उनमें से 24 बंधु उपस्थित रहें।

प्रांत में 12761 गांव 115 तहसील ओर 18 जिले हे सभी जिले में समिति हे 108 तहसील में हमारा काम हे 4461 गांवों में समितियां हे अखिल भारतीय अधिकारी श्री हुकम चन्द जी पाटीदार का प्रवास संपूर्ण 18 जिले 18 गांव में रात्रि विश्राम 42 ग्राम समितियों में स्वागत बोर्ड लगाए गए हे। वर्तमान में हमारी सदस्यता 506803 हे। वर्तमान में हमारे प्रांत में प्रांत कार्यालय निर्माण चल रहा हे सभी कार्य कर्ताओं ने निर्धारित कर चुके है कि जबतक काम न पूरा होगा हमें कहा विश्राम।

स्वर्ण जयंती वर्ष हमारा आने वाला हे इसमें हमने लक्ष्य लिया हे कि प्रांत की सभी तहसीलों में हमारी पूर्ण कार्य कार्यकारनी बनाएंगे। प्रत्येक तहसील तक पहुंचेंगे प्रांत के 50 प्रतिशत यानी 7000 गावों में ग्राम समिति बनाएंगे।

प्रांत में दो संभाग है। दोनों संभाग की कार्यकारणी के प्रत्येक बंधु दो तहसील प्रांत कार्यकारणी तीन तहसील ओर प्रांत मे निवासरत ऊपर के अधिकारी दो तहसील लेकर तहसील बैठक लेने जाएंगे ओर उसी दिन उस तहसील के गांव में जायेंगे वहां स्वागत बोर्ड ग्राम समिति बैठक ओर रात्रि विश्राम कर निर्धारित संगठनात्मक कार्य पूरा करेंगे। कार्य को दृढ़ीकरण विस्तार कर राष्ट हितैषी सर्व व्यापी सर्व स्पर्शी बनाएंगे।

अपने प्रांत से अखिल भारती कार्यकारी सदस्य श्री राजेंद्र जी पालीवाल, प्रदेश संयोजिका श्रीमति गिरजा देवी ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलसिंह जी आंजना, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री दिनेश जी पाटीदार ,प्रदेश मंत्री राजेंद्र जी शर्मा, प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण जी पटेल ,प्रांत संगठन मंत्री श्री अतुल जी माहेश्वरी ,सह संगठन मंत्री श्री दिनेश जी शर्मा, प्रांत उपाध्यक्ष रेवाराम सेठ जी, दयाराम जी पाटीदार प्रांत कोषाध्यक्ष शांतिलाल जी शर्मा प्रांत मंत्री भारत सिंह बेस,महेशजी ठाकुर , धरम जी पटेल , प्रांत कार्यालय मंत्री सीताराम जी प्रजापत जैविक प्रमुख आनंद सिंह जी ठाकुर महिला संयोजिका वैशाली मालवीय जी युवा प्रमुख श्याम सिंह पवांर प्रांत कार्यकारणी सदस्य रघुनंदन जी पाटीदार, राजीव लोचन जी ठाकुर, मोहन जी पाटीदार,सुनील जी राठोर रहे। जानकारी प्रांत प्रचार प्रमुख गोवर्धन पाटीदार द्वारा दी गई जहां कार्यक्रम के दौरान भारतीय किसान संघ के प्रांतीय जिला शाजापुर के सर्वप्रथम जिला अध्यक्ष रह चुके पालीवाल जी के कोषाध्यक्ष की घोषणा होते ही सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी लगने के बाद शाजापुर जिले में खुशी की लहर छा गई हर कोई उन्हें टेलीविजन के माध्यम से नए दायित्व की शुभकामनाएं बधाई दे रहे थे।

सिंहस्थ-2028 से पहले शिप्रा की हकीकत जांचने पहुंची एनजीटी टीम, गंगाघाट पर पेड़ कटाई और सीवरेज मिलते देखा

तीन सदस्यीय ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम ने अलग-अलग घाटों का किया निरीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच शिप्रा नदी की स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिति को परखने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम उज्जैन पहुंची। तीन सदस्यीय टीम ने शहर के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान गंगाघाट पर मशीन से पेड़ कटते हुए नजर आए, वहीं कुछ स्थानों पर सीवरेज का पानी सीधे शिप्रा नदी में मिलते भी देखा गया। टीम ने मौके पर वीडियो रिकॉर्डिंग और फोटो दस्तावेज तैयार किए।

निरीक्षण दल में सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भोपाल के वैज्ञानिक डॉ. अनूप चतुर्वेदी, मिनिस्ट्री ऑफ इन्वायरमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के प्रतिनिधि राजशेखर रेड्डी तथा ईपीसीओ भोपाल के असिस्टेंट साइंटिफिक ऑफिसर डॉ. मनोज विश्वकर्मा शामिल थे। टीम ने घाटों की स्थिति, नदी किनारे चल रहे कार्यों और जल गुणवत्ता से जुड़े पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की।

गंगाघाट पर पेड़ कटाई देख जताई नाराजगी- निरीक्षण के दौरान गंगाघाट क्षेत्र में मशीनों से पेड़ काटे जाते पाए गए। पर्यावरणीय नियमों के तहत नदी किनारे हरित क्षेत्र को संरक्षित रखना अनिवार्य है। ऐसे में टीम ने संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली और कार्रवाई का संकेत दिया।

सीवरेज का पानी सीधे शिप्रा में- कुछ स्थानों पर सीवरेज लाइन का पानी बिना शोधन के शिप्रा में गिरता नजर आया। यह स्थिति सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन से पहले गंभीर मानी जा रही है। टीम ने जल प्रदूषण के संभावित प्रभावों को देखते हुए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने की बात कही।

30 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान- बताया जा रहा है कि सिंहस्थ-2028 के दौरान करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन आने और शिप्रा में स्नान करने का अनुमान है। इतने बड़े आयोजन को देखते हुए एनजीटी की टीम ने पर्यावरणीय मानकों की स्थिति का आकलन शुरू कर दिया है, ताकि समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

प्रशासन से मांगी जाएगी विस्तृत रिपोर्ट- सूत्रों के अनुसार टीम अपनी रिपोर्ट एनजीटी को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे की दिशा तय होगी। माना जा रहा है कि यदि अनियमितताएं पाई गईं तो संबंधित विभागों को नोटिस जारी किए जा सकते हैं।

होली पर मंदिरों में सख्ती.. मंगलनाथ में भी रंग-गुलाल पर प्रतिबंध

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक परंपराओं और न्यायालयीन निर्देशों के अनुरूप महाकालेश्वर मंदिर में 2 और 3 मार्च को पहले ही रंग-गुलाल लेकर प्रवेश और होली खेलने पर रोक लगाई जा चुकी है। अब इसी कड़ी में मंगलनाथ मंदिर प्रशासन ने भी होली के दौरान रंगों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार 3 मार्च को चंद्र ग्रहण के कारण सुबह 6 बजकर 47 मिनट से शाम 6 बजकर 47 मिनट तक सूतक काल प्रभावी रहेगा। इस अवधि में मंगलनाथ मंदिर में भांत पूजा सहित किसी भी प्रकार की पूजा-अर्चना पूर्णत~ प्रतिबंधित रहेगी। श्रद्धालु केवल दर्शन ही कर सकेंगे, पूजा-पाठ या विशेष अनुष्ठान की अनुमति नहीं होगी। मंदिर प्रशासक केके पाठक ने बताया कि यह निर्णय उच्च न्यायालय की गाइडलाइन के तहत लिया गया है। मंदिर परिसर की पवित्रता, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए होली खेलने पर सख्ती बरती जा रही है।

धुलेंडी पर 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की लगेगी ड्यूटी, ड्रोन से भी निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर सुरक्षा को लेकर उज्जैन पुलिस ने विशेष तैयारी की है और 2 तथा 3 मार्च को होली पर हुड़दंग करने वालों पर नजर रखी जाएगी। इस दौरान शहर में 1000 से अधिक पुलिसकर्मी सडक़ पर तैनात रहेंगे, तो वहीं ड्रोन से भी निगरानी रखी जाएगी। उल्लेखनीय है कि सोमवार की रात होलिका दहन होगा और मंगलवार को होली खेली जाएगी। आगामी दो दिन सुरक्षा को लेकर पुलिस में एक्शन प्लान बनाया है। जिले में 100 गाडियाँ चलेगी। जो लगातार संवेदनशील इलाकों में पेट्रोलिंग करेगी, इस दौरान गाडियों के साथ पुलिस बल भी रहेगा। यहाँ हुड़दंगियों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। किसी तरह का बवाल करने और लोगों को जोर जबर्दस्ती रंग लगाने वालों पर भी नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार होली के दौरान शहर में ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही होलिका दहन स्थल पर भी पुलिस निगरानी रखेगी। इस बार शहर में 300 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन होगी।

हर तीसरे दिन शहर में क्षतिग्रस्त हो रही पेयजल पाईप लाईन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की आबादी बढ़ गई, लेकिन पेयजल सप्लाय लाईन सालों पुरानी है और यह हर तीसरे दिन कहीं न कहीं टूट फूट रही है। जबसे सीवरेज का काम शुरु हुआ है, तब से पानी की लाईन क्षतिग्रस्त होना आम हो गया है। उल्लेखनीय है कि शहर की 500 किमी पेयजल लाइन में से 400 किमी लाइन 17 से 18 साल पुरानी है। वहीं शहर की आबादी लगातार बढ़ती गई। वर्ष 2009 में 17 पेयजल टंकियों नई बनाई गई और बाद में चाहे इंदौर रोड हो, देवास रोड हो, मक्सी रोड हो या फिर अन्य कोई क्षेत्र। कॉलोनी लगातार बन रही है और हर वार्ड में पेयजल टंकी मंजूर की गई है। फिलहाल 44 टंकियों से भी शहर में लोगों को ठीक ढंग से पेयजल नहीं मिल पा रहा है। पिछले 8 साल से टाटा कंपनी शहर में सीवरेज लाईन डालने का काम कर रह है और तभी से आए दिन शहर में कहीं न कहीं वाटर सप्लाय लाईन फूट रही है। पुरानी लाईन को बदलने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। इधर शहर के इंदौर रोड, आगर रोड, देवास रोड, नागदा बैंड के आसपास का एक बड़ा पिसा पिछले 7 वर्षों के दौरान विकसित हुआ। वहां का बड़ा आबादी क्षेत्र अब भी जलापूर्ति से वंधित है। जल भूमिगत जल के अलावा पेठजल की कोई दूसरी व्यवस्था नहीं हैं। ऐसे में गर्मी बढने़ के साथ ही यह पेजल की किल्लत भी बढने़ लगेगी।

पुलिस ने खोये मोबाइल लौट आए तो मुस्कुराए चेहरे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले कुछ महीनो में खोये मोबाइलों को पुलिस ने खोज निकाला और रविवार को होली रंगपंचमी के उपहार स्वरूप मोबाइल धारकों को वापस लौट आए तो लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। खोया मोबाइल मिलने पर लोगों ने कहा कि उन्होंने मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन पुलिस ने खोज निकाला।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि जिलों की थाना पुलिस और आईटी सेल के पास सैकड़ो लोगों द्वारा अपने मोबाइल गुम होने की लिखित शिकायत पिछले कुछ महीनो में दर्ज कराई थी। आईटी सेल और सायबर टीम द्वारा सभी थाना प्रभारियो के समन्वित प्रयासों से गुम मोबाइलों को तकनीकी साक्ष्यों आधार पर तलाशना शुरू किया और मध्यप्रदेश के अन्य जिलों एवं विभित्र राज्यों से 406 मोबाइलों को खोज निकाला। होली-रंगपंचमी से पहले उपहार स्वरूप मोबाइल धारको को लौटाये गए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उनका कहना था कि उम्मीद छोड़ चुके थे लेकिन पुलिस ने खोज निकाला। एसपी शर्मा ने बताया कि खोजे गए 406 मोबाइलों की कीमत 73.30 लाख है। उज्जैन पुलिस द्वारा वर्ष 2023 से गुम मोबाइलों को खोजने का अभियान चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष 2025 में 952 मोबाइल खोजे गए थे। जिनकी कीमत 1 करोड़ 81 लाख 65 हजार रुपए थी। वर्ष 2024 में 445 मोबाइल जिनकी कीमत 92.5 लाख थी, लोगों को वापस लौट आए गए थे। वर्ष 2023 में 235 मोबाइल 58.75 लाख के खोज निकालने में पुलिस सफल रही थी।

15 हजार से ज्यादा ई-रिक्शा और ऑटो ने बढ़ाया यातायात पर दबाव

कहीं भी रोककर सवारी भर रहे चालक - महाकाल मंदिर के आसपास के मुख्य मार्गों से गुजरना हुआ मुश्किल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की सडक़ों पर ई-रिक्शा और ऑटो वाहनों की संख्या बढक़र 15 हजार के पार चली गई है। इसके कारण लगातार ट्रैफिक पर दबाव बढ़ा रही है। सुबह-शाम के समय तो कई रास्तों पर हालात ऐसे हो जाते हैं कि छोटे जाम अब रोजमर्रा का हिस्सा बन चुके हैं।

आरटीओ और यातायात पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक शहर में इस समय 10 हजार से अधिक ई-रिक्शा, करीब 5 हजार ऑटो, और 1,500 से ज्यादा मैजिक, अन्य सवारी वाहन बिना किसी निर्धारित रूट और निगरानी के मनचाहे तरीके से दौड़ रहे हैं। इनके चालक सवारी के लिए अचानक कहीं भी ब्रेक लगा देते हैं। अधिकतर ई-रिक्शा चौराहों पर खड़े रहते हैं, जिससे चौराहों की वास्तविक क्षमता 30-40 प्रतिशत तक कम हो जाती है और जाम लगना लाजिमी है। कई बार वाहन चालकों की इसी अव्यवस्था के कारण दुर्घटनाएं भी होती हैं। यात्रियों से मनमाना किराया वसूलना आम बात हो गई है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े नेटवर्क के बावजूद शहर में इनके लिए न तो स्टैंड तय किए गए हैं, न किराया सूची, और न ही रूट तय हैं। पिछले वर्ष ई-रिक्शा से हुए कई हादसे चेतावनी बन सकते थे, पर स्थिति अब भी जस की तस है। ट्रैफिक विभाग और प्रशासन को इन वाहनों के लिए अलग से स्टैंड और रूट तय करने की जरूरत महसूस होने लगी है।

मनोविकास कॉलेज ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन मे दो दिवस का CRE प्रोग्राम (ऑफ़लाइन) आयोजीत किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मनोविकास कॉलेज ऑफ़ स्पेशल एजुकेशन, उज्जैन ने 24 और 25 फरवरी 2026 को Special Olympics: Sports and Rules for Persons with Intellectual Disability थीम पर दो दिवस का CRE प्रोग्राम (ऑफ़लाइन) आयोजन किया।

यह कार्यक्रम स्पेशल एजुकेटर्स की पेशेवर दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, ताकि खेल, शारीरिक विकास, असेसमेंट प्लानिंग तथा इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी व्यक्तियों के लिए स्पेशल ओलंपिक्स के नियमों और संरचना की उनकी समझ को सुदृढ़ किया जा सके। इस कार्यक्रम में 50 रिहैबिलिटेशन प्रोफेशनल्स और प्रशिक्षुओं ने सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम की शुरुआत फादर टॉम जॉर्ज (निदेशक, स्ष्टस्श्व), डॉ. प्रेम छाबड़ा द्वारा दीप प्रज्वलन और सांकेतिक भाषा में प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद शारीरिक और संज्ञानात्मक विकास में खेलों के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि संरचित खेल गतिविधियाँ इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी वाले व्यक्तियों के समग्र विकास, समावेशन और सामाजिक सहभागिता में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

इसके पश्चात खेलों के प्रकारों पर एक जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन दोनों प्रकार के खेल शामिल थे। इस सत्र में विशेष रूप से Special Olympics Bharat का संदर्भ दिया गया।

आगे के सत्रों में असेसमेंट और प्लानिंग पर विशेष व्याख्यान दिया गया, जिसमें क्षमताओं की पहचान करने और व्यक्तिगत खेल हस्तक्षेप की योजना बनाने की व्यवस्थित प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया। प्रतिभागियों ने खेलों के माध्यम से मोटर विकास के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी भी प्राप्त की। इस दौरान समन्वय, संतुलन और कार्यात्मक कौशल को बढ़ाने में खेल-आधारित गतिविधियों की भूमिका को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं में से एक स्पेशल ओलंपिक्स डिवीजनिंग पर सत्र था, जिसमें खेल प्रतियोगिताओं में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, एथलीट ग्रुपिंग और नियम-आधारित सहभागिता की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया।

स्पेशल एजुकेशन और खेल क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों – फादर टॉम जॉर्ज (निदेशक, MCSE), श्री एहतेशाम उद्दीन, श्री राजेन्द्र भारस्कर, श्रीमती उमा खत्री तथा श्रीमती हेमांगी पराशर उपाध्याय – ने अपनी विशेषज्ञता साझा की। उनके मार्गदर्शन से सत्र अत्यंत संवादात्मक और व्यवहारिक बने।

कार्यक्रम CRE मानकों के अनुसार संचालित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को संबंधित दिव्यांगता क्षेत्रों में स्पेशल एजुकेटर के रूप में पंजीकरण करने का अवसर प्राप्त होगा।

CRE समन्वयक श्री गोविंद छापरवाल ने कहा कि इस प्रकार की पहल समावेशी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, शिक्षकों को अद्यतन ज्ञान से सशक्त बनाने और स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक एवं मनोरंजक खेलों में इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी वाले व्यक्तियों की भागीदारी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

CRE कार्यक्रम के पहले दिन के सत्र प्रतिभागियों से प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ संपन्न हुए, जिससे उज्जैन में व्यावसायिक विकास और समावेशी शिक्षा के प्रति मनोविकास कॉलेज की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई।

रंजीश में बदमाशो ने हिस्ट्रीशिटर पर किया चाकू से हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिस्ट्रीशिटर बदमाश को रंजीश के चलते देर शाम चाकू मार दिये गये। घायल बदमाश को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर पुलिस बयान दर्ज करने पहुंची, इस दौरान 3 बदमाशो के नाम सामने आये। जिनकी तलाश शुरू की गई है।

मॉडल स्कूल के पीछे गांधीनगर में रहने वाला नितेश उर्फ काऊ हिस्ट्रीशिटर बदमाश है। शाम को उसने गोपी वाडिया ने दो तालाब दिनदयाल कॉम्पलेक्स के पास बाबा कैफे पर मिलने बुलाया। नितेश जैसे ही पहुंचा गोपी और उसके साथ आये छिंगू बुंदेला ने अपने साथी के साथ मिलकर चाकू से हमला कर दिया। तीन से चार चाकू जांच और पैर पर लगने से नितेश घायल हो गया। उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल ले जाया गया। चाकूबाजी की खबर मिलते ही नीलगंगा थाना प्रभारी तरूण कुरील, एसआई यादवेन्द्र परिहार टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां घायल नितेश ने गोपी वाडिया, धीरज और छिंगू बुंदेला पर चाकू मारने का आरोप लगा। एसआई परिहार के अनुसार बयान दर्ज कर मामला दर्ज किया जा रहा है। वहीं चाकू मारने वालों के नाम सामने आने पर उनकी तलाश शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पहले नितेश ने साथियों के साथ मिलकर नीलगंगा थाने के पास मल्टी में हवाई फायर कर दहशत फैलाई थी और वहां रहने वाले परिवार के साथ मारपीट कर धमकी दी थी।

उक्त मामले में पुलिस ने नितेश को साथियों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। कुछ दिनों पहले ही नितेश जमानत पर रिहा हुआ है। नितेश गुर्जर गैंग के साथ रहता है। वहीं चाकू मारने वाले विरोध गैंग से जुड़े हुए है।

त्योहार से पहले पुलिस ने गुंडे-बदमाशों को किया तलब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होली-रंगपंचमी पर्व शांति-सौहार्द्र के साथ मनाये जा सके और किसी प्रकार की अवैध गतिविधियां ना हो इसको लेकर पुलिस ने पूरे जिले में व्यापक अभियान चलाकर गुंडे-बदमाशों और निगरानीशुदा को तलब किया।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि मार्च माह के प्रथम सप्ताह में होली-रंगपंचमी का पर्व मनाया जाना है। जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में सुनियोजित निरोधात्मक अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी थाना क्षेत्रों के गुंडा सूची, निगरानीशुदा, आदतन अपराधिक प्रवृति और शांति भंग करने के मामलों में शामिल रहने वाले बदमाशों का तलब किया गया। पुलिस द्वारा उन्हे स्पष्टरूप से अवगत कराया गया कि त्यौहारों के समय किसी भी प्रकार का अपराध, हुडदंग किया तो सख्त कार्रवाई की जायेगी। अवैधानिक गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे जेल भेजा जायेगा। थानों पर तलब बदमाशों से प्रतिबंधात्मक धाराओं में बांड भरवाये गये। वहीं प्रत्येक बदमाश का डोजियर फार्म भरा गया। सभी को शपथ दिलाई कि शांति-सौहार्द्र बनाकर रखेगें और स्वयं भी होली-रंगपंचमी का पर्व मनायेगें। बदमाशों के खिलाफ चलाये अभियान के साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र में होने वाले होलिका दहन कार्यक्रम के आयोजकों की बैठक भी आयोजित की और दिशा-निर्देश जारी किये।

टीकाकरण से रोके जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी को मजबूत बनाने के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) की जानकारी के अनुसार जिले में टीकाकरण से रोके जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित चारों चरणों की प्रशिक्षण कार्यशालाएं पूर्णतः सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था कि पूर्व में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा समर्थित तंत्र के माध्यम से संचालित टीकाकरण से रोके जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी गतिविधियां अब एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित रूप से संचालित की जाएं।

भारत सरकार की नीति के अनुरूप विश्व स्वास्थ्य संगठन से एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम में संक्रमण की प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागू करने के लिए यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षण में शासकीय एवं निजी अस्पतालों, क्लीनिकों तथा प्रयोगशालाओं के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं संबंधित अधिकारियों को निम्नलिखित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- संदिग्ध मामलों की 24 घंटे के भीतर अनिवार्य रिपोर्टिंग।
- आवश्यक नमूना संग्रहण की प्रक्रिया।
- जिला स्तर पर समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था।

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने स्पष्ट किया कि निम्नलिखित संदिग्ध मामलों की सूचना तत्काल जिला निगरानी इकाई को देना अनिवार्य है~

- तीव्र शिथिल पक्षाघात।
- बुखार के साथ चकत्ते (खसरा-रूबेला संदिग्ध मामले)।
- डिप्थीरिया,काली खांसी तथा नवजात टेटनस।

यह त्वरित रिपोर्टिंग संभावित प्रकोप की समय पर पहचान एवं रोकथाम सुनिश्चित करने में सहायक होगी, जिससे बच्चों एवं समुदाय के स्वास्थ्य की सुरक्षा मजबूत होगी।

जिला स्वास्थ्य विभाग सभी स्वास्थ्य संस्थानों से सहयोग की अपील करता है ताकि टीकाकरण से रोके जा सकने वाली बीमारियों की निगरानी व्यवस्था को पूर्ण रूप से प्रभावी बनाया जा सके। किसी भी संदिग्ध मामले की सूचना हेतु जिला निगरानी इकाई से संपर्क किया जा सकता है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
लोक संस्कृति का सम्मान
विकास का अभिनव अभियान
कृषि कैबिनेट
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
2 मार्च, 2026 | पूर्वाह्न 11:30 बजे | नागलवाड़ी, बड़वानी
वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। हमारा ध्येय कृषि को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना और कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे ले जाकर अन्नदाता की समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
अन्नदाता के साथ, प्रदेश का विकास
उड़द प्रोत्साहन योजना 2026
उड़द किसानों को मिलेगा एमएसपी के अतिरिक्त ₹600 प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ।
लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र से बढ़ेगा उत्पादन एवं किसानों की आय।
भावांतर योजना- सरसों 2026
सरसों उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए 15.71 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।
फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने हेतु भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन
आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार।
₹3285.49 करोड़ की स्वीकृति से खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि।
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना
पर ड्रॉप मोर क्रॉप परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक निरंतरता स्वीकृत करते हुए ₹ 2393.97 करोड़ के प्रावधान से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, जल संरक्षण एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि।
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु 2031 तक निरंतरता के लिए ₹2008.68 करोड़ की स्वीकृति से कृषि अधोसंरचना और नवाचार को बल।
राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु आगामी 5 वर्षों के लिए ₹ 1101 करोड़ के निवेश से टिकाऊ खेती और लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन
मिशन को गति देने 5 वर्ष की निरंतरता के लिए ₹1793.87 करोड़ की स्वीकृति से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि को मिलेगा बल।
चना, मसूर एवं तुअर का उपार्जन
दलहन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने की पहल, प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
होली पर्व की हार्दिक मंगलकामनाएं
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026
D11215/25